11 बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

12 दिल्ली जीत से उत्साहित भाजपाइयों ने जमकर मनाया जश्न

खबर संक्षेप

धोखाधड़ी से दो ट्रांजक्शन में निकाले दो लाख रुपये

झज्जर। क्षेत्र के गांव डीघल में एक व्यक्ति के खातों से धोखाधड़ी करके करीब दो लाख रुपये निकाले गए हैं। पुलिस को दी शिकायत में गांव निवासी नरेश कुमार ने बताया कि उसने बीते वर्ष 17 नवंबर को जब अपने फोन में रुपये कटने के मैसेज पढ़े तो उसे साइबर ठगी का पता चला। उसके एक खाते से 99500 तथा दूसरे खाते से 99300 रुपये डेबिट किए गए हैं। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

मंदिर से चांदी की खड़ाऊ व छतरी चोरी

झज्जर। क्षेत्र के गांव पहाड़ीपुर के जय दादा गुंसाई मंदिर में चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में कमेटी प्रधान राजसिंह ने बताया कि वह मंदिर का कार्यभार संभालता है जबकि अशोक पुजारी के रूप में पूजा पाठ करता है। शुक्रवार को पुजारी अशोक मंदिर बंद करके अपने घर चला गया था। शनिवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे अशोक ने मंदिर में चोरी की सूचना दी। जब मंदिर पहुंच कर चोरी हुए सामान का जायजा लिया गया तो वहां लगे सीसीटीवी की डीवीआर के अलावा मंदिर में रखी चांदी की खड़ाऊ व चांदी की छतरी चोरी हो गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

निर्माणाधीन मकान से 92 बंडल सरिया चोरी

झज्जर। शहर के सेक्टर नौ स्थित एक निर्माणाधीन मकान से सरिया चोरी होने मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में आर्य नगर निवासी अरूण ने बताया कि वह सेक्टर नौ स्थित अपने प्लाट में मकान का निर्माण करा रहा है। बीती चार फरवरी को उसने 10,600 किलोग्राम सरिया मंगवा कर प्लाट में रखवा दिया था। शनिवार को जब वह प्लाट में पहुंचा तो वहां से अलग-अलग साइजों के सरियों वाले करीब 92 बंडल चोरी हो गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज करते हुए नियमानुसार आगामी कार्यवाई अमल में लाई जा रही है।

इलाके में बढ़ रही वाहनों की चोरी

बहादुरगढ़। इलाके में वाहनों की चोरी बढ़ रही है। अब दो और वाहन मालिकों ने पुलिस को शिकायत दी है। शिकायत के आधार पर संबंधित थानों की पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में माजरी के निवासी करतार सिंह का कहना है कि हमारे गांव में स्थित एक गार्डन में वैवाहिक समारोह था। मैं भी वहां गया था। बाइक बाहर खड़ी करके अंदर चला गया। कुछ देर बाद जब निकला तो नहीं मिली। इस शिकायत पर बादली थाने में केस दर्ज हुआ है। वहीं बराही के निवासी कप्तान सिंह का कहना है कि वह दिल्ली एयरपोर्ट पर काम करता है। गत छह फरवरी की देर शाम को अपनी बाइक ब्रिगेडियर होशियार सिंह मेट्रो स्टेशन के पास खड़ी की। फिर दिल्ली चला गया। अगली सुबह आया तो बाइक नहीं मिली। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया है। इस शिकायत पर सेक्टर छह थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बॉम्बे वाली गली में नाला ओवरफ्लो

बहादुरगढ़। शहर की बॉम्बे वाली गली में नाला ओवरफ्लो होने के कारण स्थानीय निवासी परेशान हैं। कृष्णा, वीरेश व यशपाल हिंदुस्तानी ने बताया कि पिछले 7 दिनों से नाला ओवरफ्लो होने से गली में गंदा पानी भर जाता है। स्थानीय लोगों के साथ ही राहगीरों को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गंदे पानी के कारण बीमारी फैलने का भी डर बना हुआ है। उन्होंने नगर परिषद व पब्लिक हेल्थ से जल्द नाले ओवरफ्लो की समस्या से निजात दिलाने की मांग की।

चंडीगढ़/पंचकूला में धरने-प्रदर्शन का आयोजन 25 को

एआईकेकेएम ने स्मार्ट मीटरों का किया विरोध

जनसंपर्क अभियान के तहत शनिवार को संगठन के कार्यकर्ताओं ने कई कालोनियों का दौरा कर प्रदर्शन में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। स्मार्ट मीटरों का विरोध करते संगठन के सदस्य व समर्थक। फोटो: हरिभूमि

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के आह्वान पर चंडीगढ़/पंचकूला में 25 फरवरी को धरने-प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा। इसे सफल बनाने के लिए जनसंपर्क अभियान के तहत शनिवार को संगठन के कार्यकर्ताओं ने कई कालोनियों का दौरा कर प्रदर्शन में शामिल होने का निमंत्रण दिया। इस दौरान स्मार्ट मीटर लगाने के विरोध में प्रदर्शन भी किया।

संगठन के प्रदेश सचिव जयकरण मांडौठी तथा जिला कमेटी सदस्य रामकिशन ने कहा कि मोदी सरकार ने वायदा करके भी देश के किसानों की एमएसपी पर सभी फसलों की खरीद की गारंटी का कानून बनाने, बिजली बिल संशोधन 2023 रद्द करने, किसान तथा मजदूरों को कर्ज मुक्त करने आदि मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया। खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, फसल के भाव पिट जाते हैं। प्राकृतिक आपदाओं से बर्बाद हुई फसलों का मुआवजा नहीं मिलता। किसान कर्ज के जाल में फंसते जा रहे हैं। ग्रामीण गरीबों को साल भर काम नहीं मिलता, प्रदेश के सुयोग्य युवा रोजगार के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 25 फरवरी के धरने प्रदर्शन को सफल बनाने के साथ ही संगठन के विस्तार के लिए मेंबर बनाने तथा गांव कमेटियों का गठन करने के लिए कार्यकर्ताओं को विशेष जिम्मेदारी दी गई है। दलबीर, रविंद्र, सुभाष, सुनील, सोनू आदि ने स्मार्ट मीटर स्कीम पर तुरंत रोक लगाने, बिजली कानून 2003 रद्द करने तथा बिजली बिल संशोधन 2022 वापस लेने की मांग की। बिजली निजी हाथों में जाने से लगातार महंगी हो जाएगी और आम आदमी की पहुंच से बाहर हो जाएगी।

संजय हत्याकांड में पुलिस के हाथ खाली

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

मांडोठी में हुए संजय हत्याकांड में पुलिस के हाथ खाली हैं। कई दिन बीत जाने के बाद भी हत्यारोपी दामाद की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस की कई टीमें मामले की तफ्तीश में जुटी हैं। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किए जाने की बात कही जा रही है लेकिन फिलहाल सफलता नहीं मिली है।

दरअसल, मांडोठी के निवासी सज्जन की बेटी रिंकी की सुरहा गांव के निवासी मनेंद्र के साथ शादी हुई थी। शादी के बाद से ही रिंकी और मनेंद्र में अनबन होने लगी थी। रिंकी यहां अपने मायके में आकर रह रही थी। मंगलवार 28 जनवरी की रात करीब साढ़े 9 बजे मनेंद्र यहां अपनी ससुराल आया। वह गाली गलोच करने लगा। इसके बाद गहमागहमी हुई तो उसने गोली चला दी। गोली लगने से रिंकी के ताऊ संजय की मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद ही आरोपी मनेंद्र मौके से फरार हो गया था। मांडोठी चौकी तथा पुलिस की कई टीमें उसकी तलाश कर रही है। मामले में मनेंद्र की मां और उसकी बहन को भी आरोपी बनाया गया है। वारदात को दस दिन हो गए हैं लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस की टीम आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। जल्द ही वारदात सुलझाने की बात कही जा रही है।

शातिर दोस्त ने ही निकाले युवक के क्रेडिट कार्ड से रुपये

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

लाइनपार निवासी एक युवक के साथ हुई साइबर फ्राड की वारदात पुलिस ने सुलझा ली है। युवक के साथ उसी के दोस्त ने धोखाधड़ी की और क्रेडिट कार्ड से निकाले रुपयों से मोबाइल खरीद लिया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

लाइनपार थाना प्रभारी सुरेश कुमार के अनुसार, लाइनपार के अजय ने शिकायत दी थी कि 13 जुलाई 2024 को वह अपने घर पर था। इसी दौरान मोबाइल पर क्रेडिट कार्ड से 80 हजार 98 रुपये की राशि कटने का मैसेज आया। जबकि उसने न तो कार्ड का इस्तेमाल किया और न ही किसी को ओटीपी बताया था। लाइनपार थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने वारदात सुलझा ली है। वारदात को अंजाम देने वाला शिकायतकर्ता का ही दोस्त निकला। आरोपी की पहचान अभिषेक के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी, शिकायतकर्ता का दोस्त है। उसने अजय के क्रेडिट कार्ड से मोबाइल खरीदा था। उस मोबाइल को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है।

करंट की चपेट में आने से चौकीदार की मौत

झज्जर। गांव सिवाना में कंटर की चपेट में आने से चौकीदार की मौत हो गई। यह हादसा शुक्रवार की शाम उस दौरान हुआ जब मृतक पानी सप्लाई के दौरान मोटर चलाने लगा। मृतक की पहचान करीब 47 वर्षीय रामधारी पुत्र रामगोपाल के तौर पर हुई है। ग्राम सरपंच सुरेश कुमार ने बताया कि रामधारी गांव में चौकीदार के पद पर कार्यरत था। हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल हुए रामधारी को परिजनों द्वारा रोहतक पीजीआई ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम उपरांत परिजनों द्वारा मृतक के शव का दाह संस्कार कर दिया गया।

वाटर टैंक में डूबने से सात वर्षीय मासूम की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। पोस्टमार्टम के बाद मासूम का शव ले जाते हुए परिजन व नागरिक अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी। फोटो: हरिभूमि

गांव पलड़ा में गांव के जलघर स्थित वाटर टैंक के पानी में डूबने में एक सात वर्षीय मासूम की मौत हो गई। मृतक की पहचान देवांश पुत्र जयप्रकाश के तौर पर हुई है।

मामले के जांच अधिकारी जापान सिंह ने बताया कि यह हादसा उस दौरान हुआ जब देवांश शुक्रवार की शाम करीब छह बजे गांव के खेल स्टेडियम में खेलने की बात कहकर घर से निकला था। जब वह देर शाम तक वापस नहीं लौटा तो परिजन उसकी तलाश में स्टेडियम गए। जब वह स्टेडियम में नहीं मिला तो उन्होंने उसकी तलाश शुरू की। जब वे साथ लगते जलघर परिसर में देवांश को तलाश रहे थे तो वाटर टैंक के पास देवांश की चप्पल मिली। इसके बाद टैंक से उसका शव बाहर निकाला गया। देवांश अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। उसके पिता जयप्रकाश के बयान के आधार पर इत्तिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

सीएम से बहादुरगढ़ के विकास पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। सीएम नायब सैनी से चर्चा करते संजीव सैनी।

भाजपा लाभार्थी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक संजीव सैनी ने मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात कर बहादुरगढ़ के विकास को लेकर विचार विमर्श किया। सीएम ने आश्वासन दिया है कि भाजपा सरकार बहादुरगढ़ समेत पूरे हरियाणा में विकास के लिए कृतसंकल्प है। सभी नागरिकों को जनहितकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।

संजीव सैनी के अनुसार सीएम नायब सैनी से मुलाकात के दौरान बहादुरगढ़ की समस्याओं व विकास को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। संजीव सैनी ने कहा कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों की वजह से ही भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन पाया है। सीएम नायब सैनी ने जब से हरियाणा के मुख्यमंत्री का पदभार संभाला है, तब से हरियाणा में तेजी से विकास हो रहा है। सभी वर्गों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिल पा रहा है। नायब सरकार प्रदेश के विकास को लेकर गंभीर है। उन्होंने बहादुरगढ़ से संबंधित मांगें मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। सीएम नायब सैनी ने सभी समस्याओं और मांगों को सुनने के उपरांत शीघ्र पूरा करने का आश्वासन दिया। उनके साथ अजित खत्री भी मौजूद रहे।

जींद, रोहतक, हिसार व फरीदाबाद फाइनल में

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। प्रतिभागी फुटबॉल खिलाड़ियों के साथ आयोजक। फोटो: हरिभूमि

गांव मेहंदीपुर डाबोदा में आयोजित राज्य स्तरीय अंडर 20 फुटबॉल लीग में शनिवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए। शानदार प्रदर्शन करते हुए फरीदाबाद, हिसार, गुरुग्राम व जींद ने अपने मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल मुकाबलों में प्रवेश किया। रविवार को सेमीफाइनल और फाइनल खेला जाएगा। शनिवार को पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला फरीदाबाद व महेंद्रगढ़ के बीच खेला गया। पेनल्टी शूट से इस मैच का निर्णय निकाला गया। पेनल्टी शूट में 5-4 से फरीदाबाद ने जीत दर्ज की। दूसरे क्वार्टर फाइनल में हिसार और नूंह की टक्कर हुई। इस मैच को हिसार ने एक तरफा 2-0 के अंतर से जीत लिया।

तीसरे मुकाबले में रोहतक और गुरुग्राम की टीम में टक्कर हुई। इस मैच का फैसला भी पेनल्टी शूट से हुआ, जिसमें गुरुग्राम ने 4-2 के अंतर से जीत हासिल की। आखिरी क्वार्टर मुकाबले में जींद ने पानीपत को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। राज्य स्तरीय यह प्रतियोगिता छह फरवरी को शुरू हुई थी। इसमें लगभग 22 टीमों ने भाग लिया। अब रविवार को सेमीफाइनल व फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे।

सेमीफाइनल में फरीदाबाद व हिसार तथा गुरुग्राम और जींद के बीच टक्कर होगी। जींद से आनंद, महेंद्रगढ़ से ओम तंवर, हिसार संदीप दलाल, झज्जर से अशोक गुलिया, पानीपत से सुमित, रोहतक से उमेद, सुरेंद्र बल्हारा, प्रदीप डाबोदा, सरपंच प्रदीप दलाल आदि इस अवसर पर मौजूद रहे।

मेंटीनेंस कार्य के कारण आज एक बजे तक बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

झज्जर। बिजली निगम द्वारा शहर के सांपला रोड स्थित 33केवी पावर हाऊस और पुराने 33केवी पावर हाऊस पर मेंटीनेंस कार्य किया जाना है। जिसके कारण रविवार की सुबह दस बजे से दोपहर एक बजे इससे संबंधित कुछ क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। एसडीओ सौरभ ने बताया कि कार्य पूरा होने उपरांत बिजली आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी। मेंटीनेंस कार्य के दौरान प्रभावित होने वाले शहरी क्षेत्रों में सेक्टर 9, नीम वाली, रामपुरा रोड, बुद्धोमाता मंदिर, जय हिंद कॉलोनी, माता गेट, हरिपुरा मौहल्ला, डिफेंस कॉलोनी नंबर 2, रामलीला ग्राउंड, शहीदी पार्क, बहादुरगढ़ रोड, देवनगर कॉलोनी, छारा चुंगी, रिवाला गेट, रमेश गैस एजेंसी, बेरी गेट, अंबेडकर चौक, मेन बाजार डाकखाने का नजदीकी क्षेत्र, पुराना बस स्टैंड रोड, भगत सिंह चौक, छिक्कारा चौक, धौड़ चौक, नया बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन रोड, मॉडल टाउन, आर्य नगर, कोसली रोड, वाटर सप्लाई व नागरिक अस्पताल का क्षेत्र शामिल है।

गोलियां लगने से घायल हवा सिंह ने दम तोड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

- बादली थाना पुलिस ने पीजीआई रोहतक में पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंपा

कातिलाना हमले में गोलियां लगने से गंभीर रूप से घायल हुए हवा सिंह ने कई दिन बाद इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बादली थाना पुलिस ने पीजीआई रोहतक में पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया। इस संबंध में गांव के ही एक युवक व उसके साथी पर केस दर्ज है। आरोपियों की गिरफ्तारी अभी नहीं हो पाई है।

मृतक की पहचान हवा सिंह के रूप में हुई है। छुड़ानी का निवासी हवा सिंह बहादुरगढ़ में स्थित एक हाउसिंग सोसाइटी में काम करता था। गत 18 जनवरी की शाम को जब वह घर जा रहा था तो गांव के अड्डे पर बाइक सवार दो युवकों द्वारा उसको गोलियां मारी गई थी। इसके बाद एक ईंट भट्ठे पर परचून की दुकान चला रहे रविदत्त पर भी गोलियां चलाई गई थी। लेकिन वह बाल बाल बच गया। तब से हवा सिंह का ईलाज जारी था। अब उसने कई दिन बाद दम तोड़ दिया। सूचना पाकर बादली थाने से पुलिस पीजीआई पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया।

इस संबंध में गांव के निवासी अनूप व उसके साथी पर केस दर्ज है। बताते हैं कि वर्ष 2000 में अनूप के पिता महावीर की हत्या कर दी गई थी। हत्या के इस मामले में हवा सिंह, रवि और अनूप की मां को 20-20 साल की कैद हुई थी। सजा पूरी होने के बाद हवा सिंह और रवि गांव में ही रह रहे थे। हवा सिंह और रवि पर हुए हमले का कारण महावीर हत्याकांड ही माना जा रहा है। पुलिस को दिए बयान में रविदत्त ने भी यही कहा है था कि पुरानी रंजिश के चलते अनूप ने ही गोलियां चलाई। इस संबंध में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

बिछड़ों को अपनों से मिला रही पुलिस

बहादुरगढ़। गुमशुदगी के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इन मामलों को देखते हुए पुलिस भी गंभीर हुई है। बिछड़ों को तलाशकर पुलिस उन्हें अपनों से मिला रही है। अब तक काफी बच्चों व युवाओं को पुलिस तलाशकर उनके परिवारों के चेहरे पर मुस्कान ला चुकी है। ताजा मामला बहादुरगढ़ शहरी क्षेत्र का है। यहां सड़क पर भटकते एक छोटे बच्चे को पुलिस ने उसके परिजनों से मिलाया है। बस स्टैंड के पास एक बच्चा लावारिस हालत में घूमता हुआ मिला। किसी की नजर पड़ी तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस बच्चे को थाने में लेकर आई। बच्चा कुछ भी बताने में असमर्थ था। इसके बाद पुलिस टीम उस बच्चे के साथ विभिन्न स्थानों और कॉलोनियों में गई। काफी मशक्कत के बाद बच्चे के माता, पिता तक पुलिस पहुंच गई। आवश्यक कार्रवाई करने के बाद बच्चा परिजनों को सौंप दिया गया। बच्चे के माता, पिता उत्तर प्रदेश हैं। उन्होंने बताया कि बच्चा खेलते खेलते अचानक लापता हो गया था। बच्चा पाकर उनके चेहरे पर रौनक आई और इसके लिए पुलिस का आभार जताया। एसआई देवेंद्र कुमार ने कहा कि लोग अपने छोटे बच्चों का ख्याल रखें। उन्हें इधर, उधर न छोड़ें। वहीं, आमजन को भी यदि कोई बच्चा इधर-उधर घूमता नजर आए तो उसे संभाले और उसके अभिभावकों तक पहुंचाने में मदद करें।

बहादुरगढ़। सराय गांव में गली निर्माण कार्य का शुभारंभ करते विधायक राजेश जून।

सराय में गली निर्माण का शुभारंभ

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून ने शनिवार को गांव सराय औरंगाबाद में गली निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने शिव मंदिर के पास वाली गली के निर्माण कार्य का नारियल फोड़कर विधिवत शुभारंभ किया। विधायक ने बताया कि डी-प्लान से बनने वाली गांव की इस गली का निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता व तय मानकों के अनुसार पूरा किया जाए। इस अवसर पर सरपंच राकेश राठी, बलराज प्रधान, संजीव सैनी, नरेश छिकारा, जापान खत्री व विपिन जून भी मौजूद रहे।

'आर्ट एंड क्राफ्ट' कार्यशाला में कलात्मक क्षमता को किया विकसित

स्वयंसेविकाओं ने परनाला में सफाई की और पौधे लगाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। परनाला के पंचायत घर की सफाई करती स्वयंसेविकाएं व स्वयंसेविकाओं को आर्ट वर्क की बारीकियां सिखाती वर्षा राठी। फोटो: हरिभूमि

शहर के वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा गांव परनाला में चल रहे सात दिवसीय कैंप के पांचवें दिन प्रातःकालीन सत्र में स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत पंचायत घर व आसपास की सफाई की। स्वयंसेविकाओं ने गांव परनाला के कई स्थानों पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।

गृह विज्ञान विभाग की सहायक प्रवक्ता वर्षा राठी ने 'आर्ट एंड क्राफ्ट' कार्यशाला लगाकर स्वयंसेविकाओं की कलात्मक क्षमता को विकसित किया। उन्होंने इस कार्यशाला में ट्राई एंड डाई, ब्लॉक प्रिंटिंग व नेल आर्ट के माध्यम से स्वयंसेविकाओं को सिखाया। ताकि वे इसे रोजगार के साधन के रूप में अपनाकर आत्मनिर्भर बन देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे सकें।

प्राचार्या डॉ राजवंती शर्मा ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला से स्वयंसेविकाओं की सृजनात्मक विकास के साथ-साथ कुछ नया सीखने व करने की भावना बनी रहती है। इस कार्यशाला में स्वयंसेविकाओं को पैन स्टैंड, वॉल हैंगिंग, फोटो फ्रेम व रंगोली बनानी भी सिखाई गई।

एनएसएस अधिकारी प्रवेश दहिया ने बताया कि सायंकालीन सत्र में यूथ पीस फाऊंडेशन, राज विद्या केंद्र से कविता सोनी, सतीश व हिमांशु ने प्रेम रावत की स्वरचित वीडियो के माध्यम से दैनिक जीवन में शांति बनाए रखने का संदेश दिया।

उन्होंने सफलता का मंत्र, जीवन का आधार तथा असफलता को कभी भी स्वीकार न करना आदि विषयों के बारे में जागरूक किया। सभी स्वयंसेविकाओं ने अपने-अपने घर दो-दो पौधे भी रोपित किए व उनके सही रख-रखाव का संकल्प भी लिया।

27 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद दिल्ली में मिले प्रचंड बहुमत से उत्साहित

दिल्ली जीत से उत्साहित भाजपाइयों ने जमकर मनाया जश्न, बांटी जलेबियां

झज्जर। अंबेडकर चौक पर जीत का जश्न मनाते हुए भाजपाई तथा बहादुरगढ़ में भाजपा की जीत पर लड्डू बांटते विधायक राजेश जून और दिल्ली में जीत के बाद लड्डू बांटते पूर्व विधायक नरेश कौशिक। फोटो : हरिभूमि

- शहर के अंबेडकर चौक पर जमकर जश्न मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

27 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद दिल्ली में मिले प्रचंड बहुमत से उत्साहित भाजपाइयों ने शनिवार दोपहर बाद शहर के अंबेडकर चौक पर जमकर जश्न मनाया और जलेबियां बांटकर खुशी का इजहार किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष राजपाल जांगड़ा ने कहा कि दिल्ली विकास के मामले में पीछे जा चुकी थी और अब विकास का पहिया तेजी से दिल्ली में घूमेगा। नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने कहा कि दिल्ली में अब विकास का नया अध्याय लिखा जाएगा। जिला महामंत्री रामफल सैनी ने कहा कि दिल्ली की जनता ने केजरीवाल को पूरी तरह से नकार दिया है और जनता अब भाजपा की नीतियों में पूर्ण आस्था रखती है। इस मौके पर जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना, पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश गोयल, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सोमवती जाखड़, पूर्व मंडल अध्यक्ष केशव सिंगल, प्रमोद बसंल सहित अन्य भी मौजूद रहे।

विधायक ने मनाया भाजपा की जीत का जश्न

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून ने अपने कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ दिल्ली में भाजपा की ऐतिहासिक जीत की खुशी लड्डू बांटकर मनाई। उनके समर्थकों ने जमकर आतिशबाजी कर जीत का जश्न मनाया। विधायक राजेश जून ने भाजपा को मिले भारी बहुमत पर खुशी जताते हुए कहा कि दिल्ली की जनता ने विकास को प्राथमिकता दी है। झूठ व लूट की राजनीति करने वाली आम आदमी पार्टी को नकार दिया है। दिल्ली की जनता मूलभूत सुविधाओं को तरस रही थी। अब दिल्ली की जनता को ज्यादा सुविधाएं मिलेंगी और भाजपा राज में चहुंमुखी विकास होगा।

पूर्व विधायक ने भी बांटे लड्डू

बहादुरगढ़। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत का जश्न पूर्व विधायक नरेश कौशिक के कार्यालय पर भी मनाया गया। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ लड्डू बांटकर जीत की खुशी मनाई। उनके अनुसार दिल्ली की जनता भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में उनकी विकासात्मक व जनहितैषी नीतियों पर अटूट विश्वास रखती हैं। मोदी की गारंटी पर उन्हें पूरा भरोसा है। दिल्लीवासियों ने विकास, सुशासन और पारदर्शिता को चुना है। इस मौके पर पालेराम शर्मा, कृष्ण चंद्र, शतीश नम्बरदार, जसबीर सैनी, सुरेंद्र भारद्वाज, पवन रोहिल्ला, आमोद छिल्लर, टोनी सरपंच, धर्मवीर वर्मा आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। लड्डू खिलाकर दिल्ली में भारी बहुमत की खुशी मनाते नवीन बंटी तथा दिल्ली में भाजपा की जीत पर लड्डू बांटकर खुशी मनाते शेखर यादव। फोटो : हरिभूमि

दिल्ली का तेज गति से विकास करेगी भाजपा

बहादुरगढ़। भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन बंटी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिले भारी बहुमत पर मिठाई बांटकर खुशी जताई। बंटी ने कहा कि केजरीवाल का कुशासन इस चुनाव में करारी हार का कारण बना। दिल्ली की जनता ने डबल इंजन की सरकार बनाने के लिए भाजपा को प्रचंड बहुमत दिया है। अब दिल्ली का विकास तेज गति से होगा। डबल इंजन की सरकार में भाजपा शासित राज्यों की तरह दिल्ली भी विकास की नई बुलंदियों को छूएगी।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष शेखर यादव ने लड्डू बांटकर खुशी मनाई

बहादुरगढ़। भाजयुमो जिलाध्यक्ष शेखर यादव ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिले पूर्ण बहुमत पर दिल्ली की जनता का आभार जताया। शेखर ने कार्यकर्ताओं के साथ लड्डू बांटकर खुशी मनाई। यादव ने कहा कि चुनाव में केजरीवाल ने दिल्ली की जनता को बहकाने व गुमराह करने का भरसक प्रयास किया। मगर दिल्ली की जनता ने बहकावे में आए बगैर दिल्ली के विकास को प्राथमिकता देते हुए भाजपा को पूर्ण बहुमत दिया है। अब दिल्ली का विकास डबल इंजन की सरकार में तेज गति से होगा।

बहादुरगढ़। लड्डू बांटकर भाजपा की जीत की खुशी मनाते डॉ. पंकज जैन।

दिल्ली में विकास के द्वार खुलेः जैन

बहादुरगढ़। भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ पंकज जैन ने दिल्ली में भाजपा को मिले पूर्ण बहुमत की खुशी लड्डू बांटकर मनाई। जैन ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पूरी दिल्ली का विकास ठप करके रखा था। दिल्ली की जनता मूलभूत सुविधाओं को तरस रही थी। जनता ने वोट की ताकत से भाजपा की डबल इंजन की सरकार बनाकर दिल्ली में विकास के द्वार खोल दिए हैं। मोदी की नीतियों और कार्यकर्ताओं की मेहनत के बूते बनी भाजपा सरकार अब दिल्ली का सर्वांगीण विकास करेगी।

बहादुरगढ़। दिल्ली जीत के बाद विजय जुलूस निकालते भाजपाई। फोटो : हरिभूमि

दिल्ली जीतने के बाद निकाला विजय जुलूस

बहादुरगढ़। दिल्ली में भाजपा की प्रचंड जीत की खुशी में भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस से लेकर लाल चौक तक विजय जुलूस निकाला। भाजपा नेता दिनेश कौशिक सेवामूर्ति के नेतृत्व में यह जुलूस निकाला गया। दिनेश कौशिक ने कहा कि दिल्ली चुनाव में मतदाताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर विश्वास जताते हुए भाजपा को जनादेश दिया है। इस अवसर पर कर्मबीर राठी, जगदीश ऐलाबादी, नरेश भारद्वाज, रमेश राठी, चिराग परूथी, पंकज गर्ग, महाबीर दलाल, कविता सोनू, संजय सैनी, अशोक राठी, ऋषि भारद्वाज, कर्मबीर शर्मा, डा. दुष्यंत काजला, नरेश रोहिल्ला, संदीप गुलिया, सुदेश, संतोष व प्रमिला जून आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। कार्यकर्ताओं को लड्डू खिलाकर दिल्ली जीत की बधाई देते कर्मबीर राठी।

कर्मबीर के कार्यालय में मनाया जश्न

बहादुरगढ़। दिल्ली में भाजपा को मिले बहुमत की खुशी पूर्व चेयरमैन कर्मबीर राठी के कार्यालय पर लड्डू बांटकर मनाई गई। राठी ने कहा कि दिल्ली की जनता ने विकास और सुविधाओं के लिए बदलाव किया है। अब दिल्ली में डबल इंजन की सरकार चुनाव में किए गए सभी वादे पूरा करेगी। इस मौके पर रमेश राठी, पार्षद राजेश तंवर, सुमेर राठी, जगबीर ठेकेदार, राव दौलत राम, अशोक शर्मा, सतबीर हुड्डा, संजीत दहिया, जगबीर रुहिल, संदीप दलाल, भरत छिल्लर, सतीश शर्मा, मनमोहित गुप्ता, संदीप सैनी व दलजीत दलाल आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। दिल्ली में भाजपा की जीत की खुशियां मनाते भाजपा नेता अनिल खत्री।

मोदी की नीतियों से दिल्ली जीते

बहादुरगढ़। भारतीय तैराकी संघ के उपाध्यक्ष अनिल खत्री ने दिल्ली चुनाव में भाजपा की जीत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की जीत बताया है। उन्होंने देशी ढाणी पर मिठाई बांटकर दिल्ली में भाजपा की जीत की खुशियां मनाई। खत्री ने बताया कि उन्होंने सांसद धर्मवीर सिंह के साथ मिलकर दिल्ली की कई सीटों पर चुनाव प्रचार में हिस्सा लिया था। दिल्ली की जनता केजरीवाल के कुशासन से तंग आ चुकी थी। अब भाजपा सरकार बनने के साथ ही दिल्ली का नवनिर्माण शुरू होगा। इस मौके पर सुरेश जून, बलवान, सतनारायण शर्मा व सुनील खत्री आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। बच्चों को योगाभ्यास करवाते जगदीश सहवाग।

स्कूल में बच्चों को कराया योगाभ्यास

बहादुरगढ़। योगाचार्य जगदीश सहवाग द्वारा न्यू शताब्दी हाई स्कूल में निःशुल्क योग प्राणायाम शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अध्यापक मुकेश कुमार सैनी की अध्यक्षता में योग का महत्व बताते हुए योगाचार्य जगदीश सहवाग ने कहा कि प्रतिदिन योग करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। मानसिक शांति और एकाग्रता के लिए प्रतिदिन ध्यान करना चाहिए। इस अवसर पर माध्वी, ईशु, प्रेमलता, मोनिका व मीना आदि मौजूद रहे।

झज्जर। प्रदर्शनी के दौरान विजेता छात्राओं को पुरस्कृत करते हुए मुख्यातिथि। फोटो : हरिभूमि

विज्ञान प्रदर्शनी में नितिका व रेणु ने पाया दूसरा स्थान

झज्जर। स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन टीचर एजुकेशन की छात्रा नीतिका नासा और रेणु द्वारा तैयार प्रोजेक्ट को इंटर डिस्ट्रिक्ट लेवल की विज्ञान प्रदर्शनी में द्वितीय स्थान मिला है। संस्थान प्राचार्या डॉक्टर संतोष ने बताया कि गुरुग्राम के गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वूमेन में आयोजित इस प्रदर्शनी में प्रस्तुत किया गया प्रोजेक्ट संस्थान के बॉटनी विभाग द्वारा तैयार कराया गया था। इस उपलब्धि पर संस्थान निदेशक डॉक्टर ऋषि गोयल ने स्टॉफ सदस्यों को बधाई देते हुए विजेता छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

घटनाओं के निदान के लिए लोकल कमेटी गठित

झज्जर। महिला उत्पीड़न की घटनाओं से संबंधित शिकायतों के

निदान के लिए लोकल स्तर पर कमेटी का गठन किया गया। सरकार के निर्देशानुसार गठित की गई इस कमेटी में शशीबाला को चेयरपर्सन बनाया गया है। जिले के सभी महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी को खंड स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा बबीता रानी और अधिवक्ता कंवर अन्नूबाई चौहान को कमेटी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। कमेटी के गठन की सूचना जिला उपायुक्त द्वारा हरियाणा महिला एवं बाल विकास विभाग पंचकूला को भेजी गई है।

स्कूल प्रबंधन समिति सदस्यों ने किया सीधा संवाद

झज्जर। शनिवार को न्यूटन स्कूल में विद्यार्थियों के अभिभावकों व स्कूल प्रबंधन के मध्य संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय बोर्ड परीक्षा में बच्चों के प्रदर्शन को उत्कृष्ट बनाना रहा। विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्यों द्वारा बच्चे परीक्षा की तैयारी कैसे करें, परीक्षा के तनाव से कैसे बचें तथा अभिभावक बच्चों को पढ़ाई के संदर्भ में कैसे मार्गदर्शन कर सकते हैं इसकी जानकारी दी गई।

स्कूल में हुआ प्रवेश परीक्षा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। श्री स्वामी समर्थ इंटरनेशनल स्कूल में प्रवेश परीक्षा देते विद्यार्थी।

गांव लडरावण में स्थित श्री स्वामी समर्थ इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। पहली प्रवेश परीक्षा में लगभग 215 बच्चों ने हिस्सा लिया। यह परीक्षा पहली से 11वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई। प्रवेश परीक्षा में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को स्कूल की तरफ से आकर्षक उपहार भेंट किए गए ताकि विद्यार्थियों का हौसला बढ़े। स्कूल प्रिंसिपल किशोर कुमार शर्मा के नेतृत्व में परीक्षा का आयोजन किया गया। स्कूल संचालक अभिषेक सिंह छिल्लर ने बताया कि हमारा मकसद ग्रामीण क्षेत्र के मेधावी बच्चों के लिए उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करना है। छात्रों को न केवल शैक्षणिक शिक्षा बल्कि नेतृत्व कौशल, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी निपुण बनाना जरूरी है।

डीएवी में 12वीं के विद्यार्थियों को दी फेयरवेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने कई रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। बारहवीं के छात्रों, अतिथियों, शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रतिस्पर्धा आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य राजदीप कुलश्रेष्ठ के साथ आर्य समाज समिति के सदस्य ईश्वर आर्या और शास्त्री वेद प्रकाश द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ हवन करके किया गया। कक्षा 11वीं की दीपांशी और स्नेहा के साथ 12वीं की प्रिया और प्रेक्षा ने मिलकर मंच संचालन किया। कक्षा 11वीं के छात्र-छात्राओं ने स्वागत नृत्य के रूप में गणेश वंदना की। कक्षा 12वीं की नैना और साहिल ने मनमोहक गीत गाया। भूमि, सलोनी, खुशबू, भविष्य और कनिष्का ने अपने संभाषण में बचपन से लेकर 12वीं कक्षा तक की स्मृतियों को सांझा किया। विद्यार्थियों की भावपूर्ण प्रस्तुति को देखकर सभी भाव विभोर हो उठे। प्राचार्य राजदीप कुलश्रेष्ठ ने छात्रों को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत, लगन, ईमानदारी और दृढ़ निश्चय के साथ निरंतर प्रयासरत रहने का संदेश दिया।

बहादुरगढ़। विदाई समारोह में स्कूल स्टॉफ के साथ डीएवी के विद्यार्थी।

माउंट व्यू में 12वीं के विद्यार्थियों को दी विदाई

- माउंट व्यू स्कूल के प्रांगण में विदाई समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शनिवार को माउंट व्यू स्कूल के प्रांगण में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को यादगार विदाई दी। बच्चों ने इस विदाई के दौरान अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कोशिका मिस माउंट व्यू तथा भविष्य को मिस्टर माउंट व्यू चुना गया। फेयरवेल पार्टी के दौरान बारहवीं के छात्रों ने इस दौरान अपने हर सब्जेक्ट के टीचरों को भी याद किया। कई छात्रों ने मंच से अपने उस अनुभव को भी शेयर किया, जो पढ़ने के दौरान इस स्कूल से उन्होंने ग्रहण किया था। पार्टी की शुरुआत करते हुए स्कूल निदेशक देवेंद्र लाठर ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने अपनी विदाई समारोह के दौरान अध्यापकों को स्मृति चिन्ह भेंट किए। प्रिंसिपल सुरेंद्र छिल्लर ने आगामी परीक्षा के लिए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी और नैतिकता का पाठ पढ़ाया। देवेंद्र लाठर ने कहा कि विद्यालय के शिक्षकों मिली सीख को जीवन में अपनाने की जिम्मेदारी बच्चों की है। उन्होंने सभी को जिम्मेदार नागरिक बनने की सलाह दी। नीलम लाठर ने सभी को विद्यालय परिवार की ओर से शुभकामनाएं दी। विद्यार्थियों को भविष्य में आने वाली प्रत्येक चुनौती का डट कर, मेहनत से सामना करने के लिए प्रेरित किया।

बहादुरगढ़। कोशिका और भविष्य को टाइटल देते प्रिंसिपल व अन्य।

सिलोठी में हुआ शिव जयंती कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। ग्रामीणों को इश्वरीय सौगात भेंट करती बीके अंजलि बहन।

- लोगों को धर्म के मार्ग पर चलने के लिए किया प्रेरित

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय (अग्रवाल कॉलोनी) द्वारा सिलोठी गांव में शिव जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर शिव का झंडा लहराया गया और लोगों को धर्म मार्ग पर चलने को प्रेरित किया गया। मुख्य संचालिका बीके अंजलि ने उपस्थितजनों को शिव जयंती के त्योहार की बधाई दी। शिव जयंती के आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए कहा कि इस दिन हम मंदिर में जाकर परमपिता परमात्मा शिव पर दूध अर्पण करते हैं। इसका अर्थ है कि हमें अपने मन को दूध के समान निर्मल, स्वच्छ और पवित्र बनाना है। आक के फूल भी चढ़ाते हैं, जिसका अर्थ हमें अपनी बुराइयों और अवगुणों को परमपिता परमात्मा शिव पर अर्पण करना है। उन्होंने कहा कि त्योहार हमारे जीवन में खुशियां लेकर आते हैं। जिससे दुख और उदासीनता दूर हो जाती है। हमें इन त्योहारों को आध्यात्मिकता के साथ मनाना चाहिए। रीति रिवाज के अर्थ को समझकर अपने जीवन में धारण करना चाहिए। सतीश, कृष्ण सहित अन्य लोग इस अवसर पर मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। समापन से पहले योग अभ्यास करती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

सूर्य नमस्कार अभियान का समापन

बहादुरगढ़। राजकीय महिला महाविद्यालय बहादुरगढ़ में चल रहे "हर घर परिवार सूर्य नमस्कार अभियान" का शनिवार को समापन हो गया। इस पांच दिवसीय अभियान में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। योग सहायक सुनील के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को सूक्ष्म व्यायाम, संगीतमय सूर्य नमस्कार अभ्यास तथा अन्य योग क्रियाएं करवाई गईं। योग क्लब संयोजिका मोना कुमारी व सदस्य रामेंद्र के पर्यवेक्षण में अभ्यास सत्र संपन्न हुए। प्राचार्य डॉ राजेश कुमार ने योग क्लब के साथ ही हरियाणा योग आयोग का आभार व्यक्त किया।

जीवन की परीक्षा में सामुदायिक सेवा का जरूर मिलता है फल : मुखर्जी

- राष्ट्रीय योजना शिविर का हुआ उद्घाटन समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए सुनित मुखर्जी।

जिदंगी को बेहतर होना होगा, हर विद्यार्थी को कम्युनिटी सर्विस का वालंटियर होना होगा का मंत्र देते हुए सामुदायिक एवं सामाजिक सरोकारों के लिए योगदान देने का आह्वान महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्राध्यापक एवं निदेशक जनसंपर्क सुनित मुखर्जी ने किया। राजकीय महाविद्यालय दूबलधन के राष्ट्रीय योजना शिविर के उद्घाटन समारोह में सुनित मुखर्जी ने बतौर मुख्यातिथि इस सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ किया। सुनित मुखर्जी ने पढ़ाई तथा परीक्षा उत्तीर्ण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि जीवन की परीक्षा में सामुदायिक सेवा का फल जरूर मिलता है। भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ का विशेष उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में उल्लेखित राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक न्याय समावेशी समाज में ही संभव है। समावेशी तथा संवेदी समाज व राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रीय सेवा योजना वालंटियर्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, विशेष रूप से जल संरक्षण, सामाजिक कुरीति उन्मूलन, लैंगिक समता तथा संवेदीकरण, डिजिटल साक्षरता समेत अन्य कई कार्यों का उल्लेख किया, जो कि एनएसएस वालंटियर्स कर सकते हैं। उनका कहना था कि शिक्षा तथा कौशल विकास से ही सशक्तिकरण संभव है, अतः विद्यार्थी खुद को ज्ञान तथा कौशल युक्त कर आत्म निर्भर होने का प्रयास करें।

बहादुरगढ़। छात्राओं को संबोधित करते डॉ. विनोद कुमार। फोटो : हरिभूमि

महिला सशक्तिकरण पर दिया व्याख्यान

बहादुरगढ़। गांव जसौरखेड़ी के राजकीय कन्या महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें सहायक प्रोफेसर डॉ. विनोद कुमार व साक्षी मलिक मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने अपने व्याख्यान में छात्राओं को महिलाओं के साथ होने वाली असमानताओं के बारे में बताया। महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप सशक्त बनने के तरीके समझाए। महाविद्यालय प्रभारी संदीप किराड़ ने उनका धन्यवाद किया। महिला कोष्ठ प्रभारी डॉ. पूनम की देखरेख में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान डॉ. सुनैना, सुनील, डॉ. सतेंद्र कुमार और अजय कुमार आदि उपस्थित रहे।

संस्कारम स्कूल खातीवास में वार्षिकोत्सव समारोह

बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

■ ओलंपियाड के विजेता प्रतिभागियों को मिले स्कूटी, लेपटॉप व साइकिल के पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। इनाम में मिली स्कूटी पर सवार होनहार विद्यार्थी स्कूल प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों के साथ। फोटो :हरिभूमि

शनिवार को संस्कारम स्कूल खातीवास में प्राइमरी विंग के विद्यार्थियों के लिए वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी राजेश खन्ना व एसीपी अखिल कुमार मुख्यातिथि के रूप में मौजूद रहे। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। अगली परफार्मेंस स्कूल के नन्हे-मुन्नों की रही, जिसमें उन्होंने वेलकम डांस प्रस्तुत किया। शाइनिंग स्टार्स थीम पर आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। विद्यार्थियों द्वारा दी गई सांस्कृतिक प्रस्तुति नृत्य, गीत, संगीत, नाटक एवं सामाजिक परिवेश को छूते विषय सम्मिलित थे। समारोह में विद्यार्थियों के अलावा उनके अभिभावकों व ऑल इंडिया ओलंपियाड, स्कॉलरशिप एग्जाम व साइंस क्रॉनिकल में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को भी आमंत्रित किया गया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्कूल के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल व मुख्यातिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को स्कूल द्वारा लाखों रुपये की स्कॉलरशिप पुरस्कार बांटे गए। चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने बताया कि बीती 29 दिसंबर को आयोजित ओलंपियाड प्रतियोगिता के विजेताओं को स्कूटी, लेपटॉप, साइकिल, स्पोर्ट्स किट, एजुकेशन किट आदि से सम्मानित किया गया। साइंस क्रॉनिकल के प्रत्येक वर्ग के पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे विजेताओं को प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

ब्रेन मैपिंग ट्रेनिंग की पहल

चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने बताया कि संस्कारम स्कूल द्वारा ब्रेन मैपिंग ट्रेनिंग की पहल की गई है। जिसकी झलक समारोह में दिखाई गई। ट्रेनिंग के अंतर्गत प्रशिक्षित विद्यार्थियों की आंखों को ढक दिया गया। जिसके बाद विभिन्न रंगों को पहचानते हुए अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अभिभावकों ने स्कूल द्वारा बच्चों को दी जाने वाले ब्रेन मैपिंग एक्टिविटी की सराहना की।

झज्जर। रस्साकसी प्रतियोगिता में जीतने का प्रयास करते हुए महिला अभिभावकों की टीम। फोटो :हरिभूमि

अभिभावकों के लिए किया फन एक्टिविटी का आयोजन

झज्जर। एलए सीनियर सैकेंडरी स्कूल में अभिभावकों के लिए फन एक्टिविटी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तीसरी से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के अभिभावकों ने भाग लिया। डीपीई अमित लोहचब व संजीत सांगवान के नेतृत्व में अभिभावकों ने ट्रेक एंड फिल्ड एक्टिवी, 100 मीटर व 200 मीटर रेस, म्यूजिकल चेयर, मटका रेस, रिंग रेस, टग ऑफ वार आदि स्पर्धाओं में भाग लिया। प्राचार्या निधि कादियान, मिडिल विंग के एचओडी रविंद्र लोहचब, पिंकी अहलावत, पुष्पा यादव आदि ने अभिभावकों द्वारा किए गए बेहतरीन प्रदर्शन की सराहना की। ओवरऑल परफॉर्मेंस के आधार पर स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया, नीलम दहिया व प्रबंधक केएम डागर ने विजेता बच्चों व अभिभावकों को पुरस्कृत किया। इस मौके पर भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा, पूजा मल्हान, प्रियंका यादव सहित अन्य भी मौजूद रहे।

आदित्य को मिस्टर फेयरवेल व दिव्यांशी को मिला मिस फेयरवेल का खिताब

झज्जर। शनिवार को इंडो अमेरिकन स्कूल में बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। पार्टी का शुभारंभ स्कूल निदेशक बिजेंद्र कादियान ने किया। बारहवीं कक्षा की छात्राओं ने सभी अध्यापक -अध्यापिकाओं का तिलक लगा कर सम्मान किया। पार्टी के दौरान ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के साथ अपने सीनियर्स को विदाई दी गई। बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभवों को जूनियर साथियों के साथ सांझा करते हुए विद्यालय में बिताए सुनहरे लम्हों को ताजा किया। स्कूल निदेशक बिजेंद्र कादियान ने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र बताते हुए कहा कि एक लक्ष्य निर्धारित करो और उसे अपने जीवन का सार बना लो। उसी के बारे में सोचो और उसी के स्वप्न देखो। पार्टी के दौरान आदित्य को मिस्टर फेयरवेल एवं दिव्यांशी को मिस फेयरवेल का खिताब दिया गया। विजेता विद्यार्थियों को सैशे पहनाकर सम्मानित किया गया।

झज्जर। विदाई समारोह के साथ विद्यार्थियों के साथ मौजूद निदेशक बिजेंद्र कादियान।

टेलेंट सर्च प्रतियोगिता में निकाले लक्की ड्रा में विधिशा व जयंत ने जीती साइकिल

■ शिवांश को एलईडी तो परी को मिला लेपटॉप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। लक्की ड्रॉ के विजेता विद्यार्थियों के साथ संस्थान स्टाफ सदस्य।

एमआर स्कूल हसनपुर में टेलेंट सर्च व स्कॉलरशिप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न स्कूलों से करीब एक हजार सात सौ प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय निदेशक सोमबीर कोडान ने विद्यालय प्रबंधन समिति के साथ मां सरस्वती के सम्मुख पुष्पार्पित करके किया। एक घंटे की परीक्षा में प्रतिभागियों से गणित, अंग्रेजी, सामान्य-ज्ञान, विज्ञान एवं रिज़निंग जैसे विषयों से सम्बंधित सवाल पूछे गए। मंच संचालन जय डागर, प्रतीक अग्रवाल व तन्नु ने किया। विद्यालय संचालक सोमबीर कोडान ने अभिभावकों को अपने बच्चों के लिए स्कूल के चयन से पहले विभिन्न बिंदुओं पर विचार करने की बात कही। इस दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने कविता, लघुनाटक, एकल व समूह नृत्य की प्रस्तुति भी दी। प्रतिभागियों के लिए निकाले लक्की ड्रा में झज्जर के शिवांश को एलईडी, चांदौल की परी को लेपटॉप, डावला गांव की विधिशा व बावल के जयंत महलावत को साइकिल का पुरस्कार मिला। इसके अलावा लक्षिता, घनश्याम, सिया, दीपक, युग, दीक्षित, आयुषी, जयनिशा, श्वेता, योगेश को दीवार घड़ी, हिमांशु, नितिन, योगेश, हर्ष, हिमेश, सिया, केशवी, धैर्य, सूरज, यश, राव्या, हंशुल, श्रेष्ठा, कुनाल, विनीत, चिराग, दीपेंद्र, मंशी, समीक्षा, हर्षित को मग का पुरस्कार मिला। इस मौके पर प्राचार्य केएन दास, उप निदेशक सुभाष यादव, शिक्षिका रितु दहिया, रीना यादव सहित अन्य भी मौजूद रहे।

सूचना

मैं, सुखबीर सिंह (Sukhbir Singh) पुत्र श्री रत्तन लाल (Rattan Lal) निवासी गांव मेहंदीपुर, जिला झज्जर, हरियाणा बयान करता हूं कि आधार कार्ड में मेरा नाम सुखबीर सिंह (Sukhbir Singh) है और ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा नाम सुखबीर (Sukhbir) है। सुखबीर सिंह (Sukhbir Singh) और सुखबीर (Sukhbir) एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे ही दो नाम हैं। मुझे भविष्य में सुखबीर सिंह (Sukhbir Singh) के नाम से ही जाना व पहचाना जाए।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजेश कुमार (पुत्र), सुनील कुमार (पुत्र), किरण रानी (पुत्री), अंजू बाला (पुत्री) सीमा रानी (पुत्री), शकुंतला पत्नी स्व. श्री ओमप्रकाश अरोड़ा निवासी किला मोहल्ला, बहादुरगढ़ द्वारा ऑनलाइन एनडीसी पोर्टल पर प्रोपर्टी आईडी नंबर Old 136 वार्ड नंबर 25 कॉलोनी किला मोहल्ला जो कि नगर परिषद बहादुरगढ़ में नाम का कॉलम रिक्त है में नाम दर्ज व वर्ग गज 70 से 85.5 वर्ग गज करवाने हेतु ऑनलाइन एप्लीकेशन नंबर 0181215299932 द्वारा अप्लाई किया है। अतः आम व खास को इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति नंबर Old 136 वार्ड नंबर 25 कॉलोनी किला मोहल्ला पर यदि कोई अन्य हकदार है या उक्त संपत्ति पर किसी को कोई आपत्ति है तो वह सबूतों सहित इस नोटिस के प्रकाशन के 30 दिन के अंदर-अंदर नगर परिषद बहादुरगढ़ कार्यालय में आकर अपना दावा पेश करें, अन्यथा इस नोटिस का समय समाप्त होने पर यह संपत्ति नंबर Old 136, 85.5 वर्ग गज प्रार्थी राजेश कुमार (पुत्र), सुनील कुमार (पुत्र), किरण रानी (पुत्री), अंजू बाला (पुत्री) सीमा रानी (पुत्री), शकुंतला पत्नी स्व. श्री ओमप्रकाश अरोड़ा निवासी के नाम से नगर परिषद बहादुरगढ़ के रिकार्ड में दर्ज कर दी जाएगी। जिसमें नगर परिषद बहादुरगढ़ की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

हस्ता/-कार्यकारी अधिकारी, नगर परिषद, बहादुरगढ़

वेब टेक्नोलॉजी वर्कशॉप में श्रेष्ठ छात्रों को मिला इंटर्नशिप का मौका

■ वर्कशॉप के समापन पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। वर्कशॉप में मौजूद शिक्षक एवं विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

संस्कारम यूनिवर्सिटी में 6 से 8 फरवरी तक वेब टेक्नोलॉजी पर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉक्टर महिपाल ने बताया कि उनका उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक ज्ञान देना है, ताकि वे भविष्य में टेक्नोलॉजी क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बना सकें।

इस कार्यशाला के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट-बेस्ड लर्निंग मॉडल के माध्यम से वेबसाइट डेवलपमेंट जानकारी दी गई। इस तीन दिवसीय कार्यशाला में विद्यार्थियों ने वेबसाइट डिजाइन, फ्रंटएंड व बैकएंड डेवलपमेंट, होस्टिंग और डोमेन सेटअप जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों को व्यावहारिक रूप से सीखा। वर्कशॉप के समापन पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पांच सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों को एक महीने की इंटर्नशिप का स्वर्णिम अवसर मिला। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉक्टर शशिकांत सिंह ने कहा कि संस्कारम यूनिवर्सिटी विद्यार्थियों को प्रेक्टिकल नॉलेज देने में विश्वास रखती है, ताकि वे अपने करियर में सफल हो सकें।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

बम्पर इनामी योजना-2025

नाम................................सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी................................
पता................................तहसील ....पिन....................
जिला .... फोन नं. .... एजेंट का नाम ....

सामान्य कूपन	सामान्य कूपन	सामान्य कूपन
सामान्य कूपन	सामान्य कूपन	सामान्य कूपन
सामान्य कूपन	सामान्य कूपन	सामान्य कूपन
सामान्य कूपन	सामान्य कूपन	सामान्य कूपन
मास्टर कूपन	मास्टर कूपन	मास्टर कूपन
मास्टर कूपन	मास्टर कूपन	मास्टर कूपन

नियम व शर्तें **हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025** - 5 फरवरी 2025 से 5 अगस्त 2025 की अवधि के लिए है। ▶▶| **बम्पर ड्रा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा।** ▶▶| योजना में भाग लेने के लिए पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित प्रपत्र पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 24 कूपनों में से कुल 18 कूपन (12 सामान्य एवं 6 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ▶▶| **हर माह के दो सामान्य कूपन चिपकाना अनिवार्य है।** ▶▶| फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन फार्मेट में मान्य नहीं होंगे। ▶▶| राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ▶▶| हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी। ▶▶| यदि किसी पुरस्कार पर टी. डी. एस. की कटौती लागू होगी तो विजेता को टी.डी.एस. का भुगतान स्वंय करना होगा। ▶▶| वाहनों के एक्स शोरूम की कीमत को हरिभूमि द्वारा वहन किया जायेगा और अन्य खर्च विजेता को देने होंगे। ▶▶| हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ▶▶| किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रोहतक होगा। ▶▶| चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ▶▶| हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते। ▶▶| प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 5 सितम्बर 2025 होगी। ▶▶| पूर्णरूप से भरा हुआ मूल प्रपत्र अपने नजदीक के हरिभूमि कार्यालय या मुख्य कार्यालय में स्वंय अथवा साधारण डाक द्वारा भिजवाएं। ▶▶| किसी भी कूपन और प्रपत्र की फोटोप्रति मान्य नहीं होगी। ▶▶| अंतिम तिथि के बाद प्रपत्र स्वीकार नहीं होंगे। विजेताओं का चयन ड्रॉ द्वारा किया जायेगा। ▶▶| ड्रॉ निकालने की तिथि 5 अक्टूबर 2025 होगी। ▶▶| विजेताओं की सूची 10 नवम्बर से समाचार पत्र में प्रकाशित की जायेगी। ▶▶| प्रथम, द्वितीय, तृतीय विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय रोहतक से पुरस्कार प्राप्त करना होगा। अन्य सभी विजेता हरिभूमि के उनके नजदीकी कार्यालय से पुरस्कार प्राप्त कर सकेंगे। ▶▶| सभी विजेताओं को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए अपनी फोटो पहचान पत्र की फोटो प्रति हरिभूमि कार्यालय में जमा करनी होगी। अपने साथ पहचान पत्र की मूल प्रति लाना न भूलें।

बहादुरगढ़ : हरिभूमि कार्यालय, सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

K.R. MANGALAM
World School
Bahadurgarh
ENGAGE. LEARN. INNOVATE.

ADMISSIONS NOW OPEN
Session 2025-26
Nursery - Grade IX & XI
(Play Group Also Available)

Ranked No. 1
INNOVATORS CATEGORY
(BY TIMES SCHOOL SURVEY 2024)

KRM LEGACY
- 40,000+ Students Studying
- 50,000+ Alumni Members
- 4,000 Faculty On Board
- Best Academic Experts
- Seamless Admission Process
- Innovative Learning Modules
- Student-Friendly Campus
- Global Student Exchange Programmes

Unleash Your ATHLETIC POTENTIAL
ELITE COACHING | MODERN FACILITIES | HOLISTIC DEVELOPMENT

At K.R. Mangalam World School, Bahadurgarh, we believe in nurturing both the mind and body. Our top-notch sports programmes encourage students to achieve excellence in athletics.

WHY CHOOSE US?
- Professional Sports Coaching
- Extensive Sports Facilities
- Focus on Teamwork and Discipline
- Opportunities for Inter-School Competitions

SPORTS & GAMES ACTIVITIES
- Soccer (6-a-Side Football)
- Basketball
- Volleyball
- Lawn Tennis
- Foosball
- Badminton
- Yoga
- Chess
- Carrom Board
- Table Tennis

admission@krmangalambahadurgarh.com
www.krmangalambahadurgarh.com
Sector-2, Near Gauri Shankar Mandir, Bahadurgarh
9549899503

G.K.- II | Vikaspuri | Kailash Colony | Paschim Vihar | Vaishali | Greater Noida | Faridabad | Gurugram | Bahadurgarh | Panipat | G.K.- I (IB) | Lucknow

कवर स्टोरी / डॉ. ओम निश्चल

वैसे तो मुहब्बत का कोई दिन मुकर्रर नहीं होता। ये कभी भी कहीं भी किसी को किसी से हो जाती है। लेकिन हाल के वर्षों में वैलेंटाइन-डे को प्यार के वार्षिक उत्सव के रूप में मनाने का क्रेज बढ़ता जा रहा है। मुहब्बत की कहानी तभी से शुरू हो गई थी, जब से इंसान ने धरती पर जन्म लिया। गुजरते वक्त के साथ इसकी मूल भावना भले न बदली हो पर इसके स्वरूप में बहुत बदलाव आ गए हैं। मुहब्बत की दास्तान और इसके बदलावों पर एक नजर।

दास्तान-ए-मुहब्बत
जज्बात वही-अंदाज नया

प्रेम ऐसा मानवीय अहसास है, जिससे कोई भी अछूता नहीं रहता। यह कुदरत की देन है। हमारी ऋतुएं भी प्रेम की बयार बहाने में मदद करती हैं।

बदल गया प्रेम का स्वरूप: इस वसुधा पर वसंत आता ही है, प्रेम का अहसास लेकर। वसंत और प्रेम का बहुत घना रिश्ता है। हमारा साहित्य प्रेम के ऐसे उद्धरणों से भरा है। पहले के जमाने में प्रेम को सौ पर्दे में छिपाकर रखा जाता था कि कोई जान न ले। आज तो प्रेम जताने का चलन है। सोशल मीडिया ने सब कुछ उघार दिया है। लज्जा के वसन उतार फेंके हैं दिलफेंक प्रेमियों ने। लेकिन क्या वही प्रेम आज है, जो कभी हीर-रांझा में था, जो कभी रोमियो और जूलियट में था, जो कभी पिरामिस और थेसबी में था, जो लैला-मजनू में था? अब तो मजनू भी वैसे न रहे, न लैला ही, केवल मजनू के टीले बचे हैं, जहां प्रेम नदारद है। प्रेम की सुंदर अनुभूति को मनुष्य ने धीरे-धीरे बाजारू बना दिया है। हमने प्रेम की जड़ों को सींचने के बजाय काटना शुरू किया। हमने प्रेम के आख्यान लिखे, गीत लिखे, कविताएं लिखीं, मंदिरों के स्थापत्य को प्रेम के उत्कीर्णनों से भर दिया पर जीवन में प्रेम छीजता रहा।

प्रेम बिना जीवन हो जाए नीरस: कहते हैं, प्रेम एक ऐसी शै है कि यह छुप नहीं सकता। एक दिन सारी दुनिया जहान को पता चल ही जाता है कि बंदा प्रेम में है। लेकिन भले ही पता चल जाए, मुहब्बत करने वालों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्रेम जीवन को संतुलित करने का नाम भी है। प्रेम को, जो काम की ही एक चैतन्य संज्ञा है, पुरुषार्थ चतुष्ट्य का अपरिहार्य अंग है। काम न हो, प्रेम न हो, राग न हो, अनुराग न हो, आसक्तियां न हों तो जीवन काहे का। यह मशीन की गतिशीलता बनाए रखने वाले लुब्रीकेशन की तरह है। यह न हो तो जीवन नीरस हो जाए। कविवर नीरज ने कहा ही है, *'प्यार अगर थामता न पथ में/ अंगुली इस बीमार उमर की/ हर पीड़ा वेश्या बन जाती/ हर आंसू आवारा होता।'* इस तरह प्रेम जीवन का एक अपरिहार्य पहलू है।

बावरा मन करता है प्रेम: कभी गीतकार रामावतार त्यागी के पत्रों की एक पुस्तक हाथ लगी थी। नाम था-चरित्रहीन के पत्र। हर पत्र में संबोधन के साथ अंत में लिखा होता था, 'तुम्हारा चरित्रहीन।' अद्भुत प्रेम की छुअन लिए पत्र थे। त्यागी जी ने एक गीत में लिखा है, *'अक्लमंदी हमारे नाम के आगे नहीं जुड़ती/ मगर भोले नहीं इतना कि जितना आम दिखते हैं/ हमें हस्ताक्षर करना न आया चेक पर माना/ मगर दिल पर बड़ी कारीगरी से नाम लिखते हैं।'* सच, मुहब्बत में अक्लमंदी नहीं चलती। वह तो बावरे मन का काम है। कवियों ने प्रेम के ही गीत गाए। सगुण और निर्गुण प्रेम की धारा बहाई। मीरा, रसखान, पद्माकर, रत्नाकर प्रेम के ही कवि हैं। कृष्णमूर्ति कहते थे, 'जहां निर्भरता और आसक्ति है, वहां प्रेम नहीं रह सकता।'

होने लगा है प्रेम का पूंजी प्रबंधन: प्रेम को प्रबंधन करने का दौर चल पड़ा है। दिल की राह पर चलने वाले लोग, उपहारों के उत्कोच से प्रेम को बांधने का जतन करते हैं। पर सच्चा प्रेम कब इन उपहारों से बंधा है। जहां उपहारों की बारिश खत्म, प्रेम और मुहब्बत की सारी नवाजिश हवा हो जाती है। फिर निराला के इस गीत जैसा हाल ही प्रेमियों का होता है- *स्नेह निर्झर बह गया है, रेत ज्यों तन रह गया है।* प्रेम सीधे-सच्चे स्नेह का पथ है। इस राह पर छली, कपटी दूर तक नहीं चल सकता। प्रेम के कई रंग हैं- पारिवारिक प्रेम, आत्मिक प्रेम, दांपत्य प्रेम, रूहानी प्रेम। इसी अनुरागमयता से यह संसार चल रहा है।

आया चट चैट-पट प्यार का दौर: प्रेम का जैसा लौकिक और अलौकिक बखान हमारे साहित्य में है, समाज में बिल्कुल नहीं। प्रेम सांसारिक भोग और विलास में बदल गया। आज मोबाइल पर हर दूसरा मैसेज प्यार का लिखा जा रहा है। हर शख्स आई लव यू के बुखार से ग्रस्त है। चट चैट, पट प्यार का फार्मूला ईजाद हो रहा है पर प्यार है कि जीवन में घुल ही नहीं रहा। अब चिट्ठियों का जमाना नहीं रहा कि महीनों लिफाफे से मुहब्बत की खुशबू आती थी। लोग उसे दिल के तहखाने में छुपा के रखते और एकांत में खोल कर पढ़ा करते थे। आज इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स प्यार के इजहार का मंच बन गए हैं। प्रेम और वासना की रीलें बनाई जा रही हैं। इंटरनेट प्रेम कहानियों से भरा है, पर जीवन में प्रेम नदारद है।

जरूर खोलिए प्यार का एकाउंट: एक बार फिर वैलेंटाइन-डे आ पहुंचा है प्रेम की याद दिलाने। वह जैसे हमारी देहरी पर दरवाजा खटखटा रहा है। लेकिन सच्ची मुहब्बत करने वाले खूबसूरत लोग अब नहीं दिखते हैं। ऐसा इसलिए कि हमने सच्चे दिल से अपने जीवन में प्रेम का खाता नहीं खोला। इसलिए, यदि जीवन को बचाना है, समाज को बचाना है, मन को बेगानेपन से बचाना है तो क्रिएट ए लव एकाउंट। प्रेम का खाता जरूर खोलिए जीवन में। मुहब्बत के जज्बे को संकीर्ण न होने दीजिए। एक हाथ मुहब्बत का आगे बढ़ाइए, देखिए सौ हाथ आगे बढ़ कर आपका हाथ थाम लेंगे। तब आप भी नीरज की तरह कह उठेंगे, *'एक नहीं, दो नहीं, करोड़ों साझी मेरे प्यार में।'* *

प्रेमारंभ की प्राचीन मान्यता

प्रेम की भावना यों तो हर किसी में इनबिल्ट होती है, पर सदियों पुरानी कहानी है, जब ईडन गार्डेन में आदम ने दो पक्षियों, दो पशुओं को आपस में अभिसार-मुद्रा में देख ईश्वर से पूछा कि यह क्या है? तो ईश्वर ने कहा यह प्रेम है। ये सभी प्रेम में आबद्ध हैं। तब उदास होकर आदम ने कहा मेरे जीवन में तो कोई है ही नहीं। मैं किससे प्रेम करूं? ईश्वर ने कहा, 'तुम प्रतीक्षा करो कल तक।' कुछ देर में आदम को वहीं एक पेड़ के नीचे गहरी नींद आ गई। जगा तो उसे एक सुंदरी दिखी। वह उसके प्रेम के वशीभूत हो बैठा। प्रेम के इस वर्जित फल को चखने का परिणाम ही है यह सृष्टि।

महान हस्तियों के यादगार प्रेम पत्र

आज के दौर में प्रेमी युगल को भले ही अपनी फीलिंग प्रकट करने के लिए पत्र लिखने की जरूरत नहीं रह गई है। लेकिन प्रेम पत्र लिखने का दौर भी बहुत खूबसूरत रहा है। कई प्रसिद्ध हस्तियों के पत्र तो आज भी हर प्रेम करने वाले के लिए किसी धरोहर से कम नहीं हैं।

अहसास / डॉ. अनिता राठौर

जब से मैंने आपके बारे में सुना है, मेरे प्रभु! मैं आपकी ओर पूरी तरह से आकर्षित हो गई हूं। कृपया शिशुपाल से मेरे विवाह से पहले अवश्य आएं और मुझे ले जाएं। अगर आप मुझ पर यह कृपा नहीं करते हैं, तो मैं उपवास और कठोर व्रतों का पालन करके अपना जीवन त्याग दूंगी। तब शायद अगले जन्म में मैं आपको प्राप्त कर सकूंगी।' यह संसार का संभवतः सबसे पहला प्रेम पत्र है, जो रुक्मिणी ने श्रीकृष्ण को लिखा था। यह पत्र हमें श्रीमद्भागवतम के सर्ग 10 के अध्याय 52 में मिलता है।

पत्रों में व्यक्त होती थीं भावनाएं: जब कॉल्स व इंस्टेंट मैसेजिंग का दौर नहीं था। तब प्रेमी अपने इश्क का इजहार करने के लिए अपने जज्बात शब्दों में पिरोकर कागज पर अंकित कर दिया करते थे। चिट्ठियों का वो दौर भी क्या दौर था कि प्रेमी या प्रेमिका के लिए दिल की गहराइयों से निकले हुए सुनहरे अल्फाज साहित्य की अमर कृतियां बन गई हैं।

कैफी आजमी-शौकत: बीस दिन गुजर चुके थे और शायर कैफी आजमी को अपनी प्रेमिका शौकत (बाद में पत्नी) की कोई खबर नहीं मिली थी। उन्हें लगा कि शौकत उनसे किसी बात पर नाराज हो गई हैं। उन्हें मनाने के लिए रात में 1 बजे कैफी ने अपने खून से एक प्रेम पत्र लिखा, 'तुम्हें लिखने के बाद मैंने लिफाफे को बंद किया और बिस्तर में चला गया यह सोचते हुए कि कुछ नींद आ जाएगी, लेकिन नींद नहीं आई। मैंने तुम्हारे पिछले खत को फिर पढ़ा और अपने आंसू रोक न सका। शौकत, ये मेरी बदकिस्मती है कि तुम्हें मुझ पर या मेरे प्यार पर यकीन नहीं है। कुछ दिन से मैं कुछ नहीं सोच रहा हूं, सिवाय इसके कि तुम्हें किस तरह से यकीन दिलाऊं कि मैं तुमसे प्यार करता हूं। मैंने एक ब्लेड से अपनी कलाई पर गहरा घाव कर लिया है और अब अपने खून से तुम्हें खत लिख रहा हूं। महीनों मैंने अपने प्यार के लिए आंसू बहाए हैं और अब मैं खून बहा रहा हूं। मुझे नहीं मालूम हमारा भविष्य क्या है। मोती (शौकत का प्यार का नाम), मुझे बहुत गहरा सदमा लगा है। तुम ये कैसे लिख सकती हो- 'अब मैं जान गई हूं कि उसकी आंखें मुझ पर नहीं हैं बल्कि किसी और पर हैं, जो उसे समझती नहीं है, न ही वह उसे समझना चाहती है?' इन शब्दों को वापस ले लो, शौकत, और मेरे प्यार का मजाक मत उड़ाओ। अगर तुम मेरे लिए कुछ नहीं कर सकती, तो कोई बात नहीं। तुम्हें प्यार करते ही मैं जान गया था कि मेरे लिए कोई उम्मीद नहीं है। खुदा मेरी हिफाजत करेगा। तुम्हें मेरे प्यार पर, मेरे इरादे पर शक है कि मैं तुमसे शादी करूंगा या नहीं। मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि एक दिन मैं तुम्हे और दुनिया को साबित कर दूंगा कि मैं तुमसे कितना प्यार करता हूं। मेरी शौकत, मेरा और मेरे प्यार का क्या होगा। हम तुम एक दूसरे से इतनी दूर हैं कि तुम्हारे लिए मेरे दर्द को देखना मुमकिन नहीं है। अगर तुम्हें मेरी कोई बात बुरी लगी हो तो मुझे माफ कर देना। प्यार और ढेर सारा प्यार, तुम्हारा कैफी।'

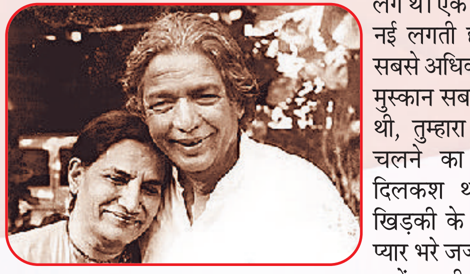
शौकत के साथ कैफी आजमी

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉने: रोमांटिक कवि जॉन कीट्स की प्रेमिका फैनी ब्रॉने ने उनके प्रेम पत्र पढ़कर लिखा था, 'मुझे वह शब्द मत लिखो, जिनसे तुम्हारा ज्ञान-काबिलियत प्रकट होती हो, बल्कि वह अल्फाज लिखो जो तुम्हारे दिल की गहराइयों से निकले हों।' इसके बाद कीट्स ने अपने प्रेम पत्रों की शैली बदल दी थी और अपने दिल के जज्बात कागज पर बयान करने लगे थे। एक बानगी देखिए, 'तुम हमेशा नई लगती हो। तुम्हारा पिछला चुंबन सबसे अधिक मीठा था, तुम्हारी पिछली मुस्कान सबसे अधिक चमक लिए हुए थी, तुम्हारा नागिन की तरह पिछला चलने का अंदाज सबसे अधिक दिलकश था। जब कल तुम मेरी खिड़की के पास से गुजरी थीं तो मेरे प्यार भरे जज्बात वैसे ही उमड़े थे, जैसे तुम्हें पहली बार देखने पर उमड़े थे। अगर तुम मुझसे प्यार न भी करतीं तो भी मेरा प्यार सारी उम्र तुम्हें ही समर्पित रहता।'

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉने

व्लादिमीर नबोकोव-वेरा: व्लादिमीर नबोकोव की वेरा से पहली मुलाकात 1921 में हुई थी। व्लादिमीर के वेरा के लिए पत्र अपनी पूर्णता में यादगार हैं। एक पत्र में उन्होंने लिखा है, 'मेरी कोमल कली, मेरी खुशी, मैं तुम्हारे लिए क्या शब्द लिखूं? यह कितना अजीब है कि मेरा जीवन कार्य कागज पर कलम चलाना है, लेकिन मैं यह नहीं जानता कि तुम्हें कैसे बताऊं कि मैं तुम्हें प्यार करता हूं। ऐसी उत्तेजना और ऐसी दैविक शांति पिघलता बादल धूप में गुम होते हुए खुशी का पहाड़ और मैं तुम्हारे साथ तैर रहा हूं। तुम में, जलता, पिघलता और पूरा जीवन तुम्हारे साथ बादलों की गति जैसा है, उनका हवाई, शांत गिरना, उनका हल्कापन कोमलता और रंग भरी आसमानी विविधता-मेरा प्रेम। मैं इस एहसास को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता।' *

प्रेम-गीत / विनोद श्रीवास्तव

प्यास को मानसरोवर दिया

बंजर ही बंजर था
किसने हरा-भरा कर दिया
प्यास को मानसरोवर दिया।
अग्निशरों से बींध-बींधकर
छलनी कर दी काया
फेंक दिया तपती धरती पर
मांग रहा था छाया।
पतझर ही पतझर था
किसने फूलों का घर दिया
अधर पर वंशी को धर दिया।
मंदिर-घाट-हाट-मेले की
सुधियां हैं गहराईं
उजड़े डेरे सोच-सोचकर
आंखें हैं भर आईं।
अक्षर ही अक्षर था
किसने प्राणों को स्वर दिया
कंठ को गीतों से भर दिया।

व्यंग्य / राकेश सोहम

वैलेंटाइन डे के दिन जब वे अपनी पत्नी के साथ टहलने पहुंचे। जब चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए बोला, 'क्या हो रहा है यहां?' शादी के बाद बची-खुची अकड़ समेटकर उन्होंने कहा, 'क्या मतलब है जी आपका?' उसने आंख मारते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

वैलेंटाइन डे पर हुई मुसीबत

इधर 'वैलेंटाइन डे' का त्यौहार सिर पर है और दिमाग का दही हुआ पड़ा है। यह दिवस एक देशव्यापी त्यौहार बन गया है, जो प्रति वर्ष नियत तिथि पर मनाया जाता है। यह अनोखा त्यौहार बाजारों में भारी चमक-दमक के साथ आता है, लेकिन मनाने में दम निकल जाता है। कई लोगों को हर्षोल्लास की बजाय चोरी-छिपे मनाना पड़ता है। उपहारों का आदान-प्रदान गोपनीय रखना पड़ता है।

गो कि मिठाई चुपके से 'गप' कर लो और चबाते हुए मुंह चलाने का पता भी न चले। युवा अपने अभिभावकों से मुंह छिपाए घूमते हैं। वे घरों से निकलते हैं, अपनी वैलेंटाइन के लिए उपहार खरीदते हैं और उपहार को निपटा कर ही वापस लौटते हैं। बेचारे उम्रदराज, बड़ी उलझन में होते हैं। अधिकार प्राप्त निजी वैलेंटाइन के साथ भी मुश्किल में पड़ जाते हैं।

मेरे जैसे सठिया, खूसठों के द्वारा यह त्यौहार मनाना तो दूर, कुछ सूझता तक नहीं है! वैलेंटाइन डे की बात सूझने मात्र से पत्नी जी का मुंह सूज जाने का भय बना रहता है। उसे दुनिया की सभी स्त्रियों में वैलेंटाइन दिखाई देने लगती है। घर के दरवाजे पर आई बेचारी सेल्स गर्ल अपने उत्पाद के बारे में कुछ बताए, इसके पूर्व पत्नी इतना उत्पात मचा देती है कि वह पतली गली से भाग निकलती है।

एक वाकया याद आ रहा है। पिछले साल हुआ यों कि 'वैलेंटाइन डे' पर अपनी असली पत्नी के साथ 'टहलू पार्क' में टहलने गया था।

हम चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए बोला, 'क्या हो रहा है यहां?'

मैंने शादी के बाद बची-खुची अकड़ समेटकर कहा, 'क्या मतलब है जी आपका?'

उसने आंख मारते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

मुझे क्रोध आया, 'हम थक गए थे। अब बैठे सुस्ता रहे हैं।'

वह जोर से हंसा, 'अरे उम्र का लिहाज करो। थकाने वाले काम करते क्यों हो?'

मुझे उसका मंतव्य समझ आ गया, अतः हाथ जोड़कर कहा, 'टहलते हुए थकान हो गई थी इसलिए बैठे हैं, अभी चले जाएंगे।'

मेरी बात समाप्त होते ही वह तपाक से बोला, 'किसके साथ बैठे हो?'

मैंने सीना ठोक कर कहा, 'पत्नी के साथ?'

उसने पत्नी जी को देखा। फिर मुझे देखा और बोला, 'किसकी पत्नी?' दरअसल, पत्नी जी अब भी पुरानी कविता सी दिखती हैं और मैं आज के व्यंग्य जैसा बिखरा-बिखरा खड़ूस हो गया।

मैंने पत्नी जी का हाथ पकड़ा और अकड़ते हुए जवाब दिया, 'मैं अपनी पत्नी के साथ हूं, समझे।'

वह पुलिसिया डंडा घुमाते हुए बोला, 'हम कैसे मान लें?'

फिर हम दोनों के हाथ पर डंडा रख दिया। मुझे अपने 'आधार' की ताकत याद हो आई। मैंने अपने कुर्ते की जेब से दोनों के आधार कार्ड निकाल कर उसकी हथेली पर पटक दिए। वह डंडे को अपनी बगल में दबाए पैर फैला कर खड़ा हो गया और काड्‌र्स में छपे छाया चित्रों से हमारी सूरतें मिलाने लगा। फिर दूसरे हाथ से टोपी के अंदर अपनी खोपड़ी खुजलाते हुए बोला, 'तुम्हारी सूरत को ठीक मान भी लें... पत्नी जी की सूरत मेल नहीं खा रही!'

मुझे 'आधार' निराधार लगने लगा। हालांकि, भ्रम हमें भी था कि हमारे आधार कार्ड में छपी सूरतें हमारी ही हैं!

तभी पार्क से हमारे पड़ोसी के बच्चे की आवाज आई, 'अरे! अंकल-आंटी आप लोग यहां हैं, मैं कब से आप लोगों को ढूंढ़ रहा हूं। घर में ताला पड़ा है और जीनू भैया आप लोगों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।'

हम दोनों बिना कुछ कहे घर की ओर चल दिए। सुरक्षा कर्मी डंडा घुमाते हुए आगे बढ़ गया। मैंने चलते हुए पत्नी जी से कहा, 'तुम तो कभी मेकअप करती नहीं। लेकिन फोटो खिंचाते समय क्या लिपस्टिक लगाना जरूरी है? बेचारा! सुरक्षाकर्मी कन्फ्यूज हो गया था।'

पत्नी जी ने कनखियों से मुझे देखा, 'मैं हूं ही इतनी सुंदर।'

मैंने उनके कदम से कदम मिलाते हुए कहा, 'हैप्पी वैलेंटाइन डे।' वो मुस्कुरा दीं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेम में भीगी कविताएं

सुपरिचित कवयित्री-समालोचक डॉ.रचना तिवारी का नया कविता संग्रह 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' हाल में प्रकाशित होकर आया है। हालांकि इस संग्रह में आदिवासी महिलाओं के जीवन का संघर्ष, कोविड की विभीषिका से उपजे मार्मिक दृश्य, स्त्रियों की आकांक्षा और उनके द्वंद्व समेत जीवन की बहुरंगी अनुभूतियों को कई कविताओं में पिरोया गया है। लेकिन संग्रह में संकलित कविताओं का मूल स्वर प्रेमानुभूति से उपजा है। यहां उन्होंने प्रेम की कोमल अनुभूतियों को बहुत संजीदगी से व्यक्त किया है। *'तुम लिख दो मुझे/यहां से वहां तक / जिसकी सड़क/मेरे इस छोर से/तुम्हारे उस छोर तक जाती हो।'*(तुम लिख दो मुझे) संग्रह की शीर्षक कविता 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' में वह लिखती हैं, *'वे नहीं होते/साथ चलने के लिए/वे वनवास काटते हुए/अनकहे और अनसुने रहने के लिए होते हैं/वे एक दूसरे के पूरक होते हुए भी/अधूरे रहने के लिए होते हैं।'* कहने की जरूरत नहीं कि प्रेम पर अब तक असंख्य कविताएं लिखी जा चुकी हैं लेकिन प्रेम में भीगी ये कविताएं, उन प्रेम कविताओं में अलग से पहचान बनाने में सक्षम हैं। *

पुस्तक: कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते, लेखिका: डॉ. रचना तिवारी, मूल्य:199 रु, प्रकाशक: सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

{ बदलाव / लोकमित्र गौतम }

प्रेम अब पूरी तरह डिजिटल हो चुका है। डिजिटल प्रेम के नए स्वरूप से एक ओर जहां प्रेमियों को आपस में संपर्क बनाए रखना आसान हो गया है, वहीं प्रेम संबंधों ने जाति, धर्म और देश की सीमाओं को भी पार कर दिया है। डिजिटलाइजेशन ने प्रेम के स्वरूप को कैसे बदल दिया, इससे ग्रामीण भारत के युवाओं में क्या बदलाव आए हैं, यह जानना दिलचस्प है।

हर कहीं लिखी जा रही हैं डिजिटल प्रेम की दास्तानें

पिछली सदी के 90 के दशक के मध्य में आया मोबाइल और इस 21वीं सदी में हुई डाटा क्रांति ने गांव और शहर के बीच की दूरियां बहुत हद तक मिटा दी हैं। सोशल मीडिया ने एक झटके में 90 से 95 फीसदी तक दोनों के बीच गैप को पाट दिया है। आज जिस तरह शहर की युवा पीढ़ी मोबाइल से चिपकी रहती है, उसी तरह से गांवों की युवा पीढ़ी को भी मोबाइल का रोग लग चुका है। गांव और शहर की जीवनशैली में पहले इतनी ज्यादा समानता कभी नहीं थी, जब तक मोबाइल क्रांति नहीं हुई थी और सोशल मीडिया के तूफान ने हमारे खान-पान और पहनने से लेकर सोचने-समझने तक की दुनिया में इतना हस्तक्षेप नहीं किया था। आज कोई ऐसा फैशन नहीं है, जो मोबाइल और सोशल मीडिया के जरिए शहरों के साथ-साथ गांव न पहुंचता हो। नई-नई आदतें, नई-नई भाषाई अभिव्यक्तियां और जाहिर है, नए-नए इमोशन भी अब गांवों और शहरों के युवाओं के बीच एक से हो गए हैं।

हर कहीं वैलेंटाइन का उत्साह

यह अकारण नहीं है कि आज के दौर में महानगरों से ज्यादा वैलेंटाइन-डे जैसे मौकों पर उत्साह, ग्रामीण युवाओं में देखा जाता है। सोशल मीडिया ने सबसे ज्यादा गांवों की नई पीढ़ी को ही प्रभावित किया है और जाहिर है, यह प्रभाव उन मामलों में सबसे ज्यादा पड़ा है, जिनमें एक जमाने तक गांवों और शहरों में स्पष्ट दूरियां थीं यानी प्रेम और शादियां। मोबाइल क्रांति और सोशल मीडिया के उभार के बाद ग्रामीण समाज विशेषकर प्रेम और शादियों को लेकर एक नए तरह के बदलाव से गुजर रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि मोबाइल ने गांवों में विशेष तौर पर पुरानी और नई पीढ़ी के बीच सबसे ज्यादा सांस्कृतिक तनाव पैदा कर दिया है। इसलिए देखने वाली बात यह है कि वैलेंटाइन-डे जैसे मौके और इन मौकों से जुड़ी भावनाओं ने आखिर ग्रामीण समाज में किस तरह की उथल-पुथल मचा दी है।

प्रेम-विवाह से आए नए तनाव

80 के दशक तक हिंदुस्तान में जहां इंडिया और भारत जैसे एक दूसरे से काफी दूर-दूर दो पहचानें, साथ-साथ अस्तित्व में थीं, इंटरनेट और मोबाइल के बाद भारत और इंडिया के बीच निःसंदेह एक झटके में दूरियां घटी हैं, लेकिन इन दूरियों के घटने का नतीजा भारी तनाव के रूप में सामने आया है। भारत के गांव जो कभी पारंपरिक रीति-रिवाजों और सामुदायिक नियंत्रण से संचालित होते थे, अब मोबाइल तकनीक के चलते वैयक्तिक निर्णयों के दौर से गुजर रहे हैं। मोबाइल फोन ने पहली बार ग्रामीण युवाओं को ही नहीं महिलाओं को भी जबर्दस्त स्वतंत्रता दी है और उनकी यह आजादी बहुत सारे फैसलों में साफ-साफ दिखती है। लेकिन सबसे बड़ा तनाव जिस एक वजह से पैदा हुआ है, वह मोबाइल के चलते युवाओं को हासिल हुई प्रेम करने की सुविधा और ग्रामीण समाज में उस प्रेम को विवाह के रूप में परिवर्तित होने में पैदा की जा रही बाधाओं ने बहुत भारी तनाव पैदा कर दिया है। ऐसी खबरें कम ही आती हैं कि मोबाइल क्रांति के बाद गांवों में युवाओं के बीच प्रेम और प्रेम विवाह किस तरह से लड़ाई-झगड़े यहां तक कि मारपीट और रंजिश का बड़ा कारण बनकर उभरे हैं। हाल के सालों में गांवों में 40 फीसदी से ज्यादा युवा साफ-साफ अपने मन की शादी करने और प्रेम करने की आजादी का इजहार कर चुके हैं और उनकी दो-तीन पीढ़ियों के पहले वाले मां-बाप इस सबको स्वीकार करने के जबर्दस्त तनाव में है, जिससे नए तरह के अपराध घटित हो रहे हैं।

खुलने लगे इंटरनेशनल अफेयर के दरवाजे

आज शहरी और ग्रामीण प्रेम में बहुत फर्क नहीं रह गया है, क्योंकि दोनो ही जगह 90 फीसदी प्रेम, मोबाइल और व्हाट्सएप के जरिए हो रहा है। इसलिए उनके नतीजे एक जैसे हैं। जिस तरह आज शहर डिजिटल प्रेम में कसमसा रहे हैं, उसी तरह से गांवों में भी डिजिटल प्रेम पारंपरिक मासूमियत को टाटा कर रहा है। एक जमाना था, जब गांवों में प्रेम-प्रसंग के लिए बहुत मुश्किल से मौके मिलते थे। क्योंकि पूरा का पूरा ग्रामीण समाज ही एक तरह से प्रेम के विरोध में निगरानी पर डटा रहता था। लेकिन अब मोबाइल फोन, व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम ने गांवों के युवाओं को भी न सिर्फ प्रेम के इजहार की खुली दुनिया मुहैया कराई है बल्कि अब गांव के युवा भी शहरी लड़कियों से ही नहीं बल्कि सुदूर देशों की लड़कियों से भी इश्क लड़ा रहे हैं। हाल के दिनों में बिहार के गांवों में ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका से आकर लड़कियों ने जिस तरह से शादियां की हैं और भारत तथा पाकिस्तान के बीच सब तरह की राजनीतिक रस्साकशी के बाद जिस तरह से दोनों ही देशों में एक-दूसरे के यहां से लड़कियां बगावत करके शादी के लिए पहुंच रही हैं, उससे मानना ही पड़ेगा कि डिजिटल युग के इस प्रेम में किसी तरह की निगरानी कामयाब नहीं हो रही है। *

हर कहीं होती है चैटिंग-स्नैपिंग

पहले प्रेम चोरी-चोरी, चुपके-चुपके होता था। फिर उससे आगे पत्र व्यवहार के जरिए भी चोरी छुपे ही आगे बढ़ता था। प्रेमी एक दूसरे तक अपने प्रेम पत्र पहुंचाने के लिए जान पर खेलकर नई- नई तकरीबें ढूंढ़ते थे। लेकिन अब एक झटके में इस सबकी जरूरत खत्म हो गई है। अब सीधे, चैटिंग, वीडियो कॉलिंग और स्काइ स्नैपिंग का दौर है। जिस पर कोई भी पहरा कारगर नहीं है। यही कारण है कि पहले गांव में जहां स्वतः युवा पीढ़ी प्रेम संबंध बनाते समय अपनी जातियों और धर्मों का ख्याल रखती थी, वहीं अब ये सारी सीमाएं एक झटके में टूट गई हैं और अंतर्जातीय और अंतर्धार्मिक प्रेम संबंध खूब बढ़ रहे हैं।

प्रेम कहानियों में एक-दूसरे को संदेश पहुंचाने के लिए कबूतरों का जिक्र आता ही है। आज के डिजिटल दौर में पलक झपकते ही प्रेमी-प्रेमिका अपना संदेश पहुंचा लेते हैं लेकिन सदियों से कबूतरों का संदेशवाहक के रूप में प्रयोग किया जाता रहा है।

सदियों तक रहा प्रेमियों का संदेशवाहक कबूतर

{ रोचक / के. पी. सिंह }

फरवरी माह आते ही सदियों तक प्रेमियों के संदेशवाहक रहे कबूतरों की याद आने लगती है। कबूतर और स्वान पक्षियों की चर्चा हमेशा प्रेम आख्यानों के साथ जुड़ी रही है, क्योंकि ये प्रेम और वफादारी के प्रतीक माने जाते हैं।

कबूतरों में होती है विलक्षण क्षमता: इंसान ने सदियों पहले कबूतरों के साथ एक कम्युनिकेशन सिस्टम विकसित किया था, जिसे 'हॉमिंग पिजन कम्युनिकेशन' कहा जाता था। वास्तव में यह संचार व्यवस्था, कबूतरों की दिशा पहचानने के मामले में अद्भुत क्षमता के कारण विकसित हुई। कबूतरों में घर लौटने की अद्भुत क्षमता होती है। इसे 'हॉमिंग इंस्टिंक्ट' कहते हैं। हालांकि आधुनिक बेतार संचार व्यवस्था के उच्च स्तर पर विकसित होने के कारण अब दुनिया में हॉमिंग पिजन कम्युनिकेशन का इस्तेमाल करीब-करीब खत्म हो चुका है, लेकिन कहीं-कहीं लोग शौकिया तौर पर और कहीं कहीं विशिष्ट तकनीक के रूप में इसका इस्तेमाल करते हैं। हालांकि वैज्ञानिक शोधों से पता चलता है कि कबूतरों में आज भी संदेशवाहक बनने की क्षमता मौजूद है। कबूतरों के दिमाग में 'मैग्नोरिसेप्टर' मौजूद होता है, जिससे वे पृथ्वी के चुबंकीय क्षेत्र को समझ पाते हैं और लंबी दूरी तक सही दिशा की पहचान कर सकते हैं। यही नहीं कबूतर सूरज की स्थिति और वातावरण में गंध का उपयोग करके भी रास्ता पहचानते हैं। इसका सबूत ये है कि किसी कबूतर को अगर एक जगह लंबे समय तक रखकर पाला जाए, तो उसे कितने ही अजनबी ढंग से किसी अंजान जगह में छोड़ दीजिए, वह अपने पुराने स्थान पर हर हाल में लौट आएगा।

फिल्म 'मैंने प्यार किया' के गीत का एक दृश्य

सदियों से निभाते रहे हैं संदेशवाहक की भूमिका: हालांकि यह ठीक-ठीक कहीं तथ्य के रूप में दर्ज नहीं है कि पहली बार कबूतरों को संदेशवाहकों के रूप में किस देश ने और कब प्रशिक्षित किया, लेकिन तीन हजार साल पहले के ऐतिहासिक दस्तावेजों को देखें तो मेसोपाटामिया, मिस्र और फारस में ऐसे साक्ष्य मिलते हैं कि लोग कबूतरों का इस्तेमाल निजी संदेश पाने और भेजने के लिए किया करते थे। प्राचीन मिस्र की चित्रलिपि 'हायरोग्लिफिक्स' में कबूतरों के ऐसे चित्र और उनके उल्लेख ईसा के 2900 वर्ष पूर्व के मौजूद हैं। इससे पता चलता है कि करीब 5000 साल पहले लोग कबूतरों का इस्तेमाल संदेश भेजने और पाने के लिए किया करते थे। मिस्र की तरह ही यूनान में भी करीब 2700 साल पहले ओलंपिक खेलों के विजेताओं की घोषणा करने के लिए एथेंस से दूसरे विभिन्न शहरों के लिए कबूतरों को खिलाड़ियों की सूची के साथ भेजा जाता था। माना जाता है कि करीब 1900 साल पहले जूलियस सीजर की सेना कबूतरों का सैन्य संदेश भेजने और पाने के लिए उपयोग करती थी। अगर भारत की बात करें तो मुगलों के दौर में खासकर अकबर और औरंगजेब कबूतरों के जरिए अपने मित्रों को संदेश भेजने और उनसे संदेश पाने के लिए किया करते थे। वे इन्हें हवाबाज कहते थे।

फिल्मों में भी किया इस्तेमाल: बॉलीवुड फिल्म 'मैंने प्यार किया' में 'कबूतर जा जा जा..' जैसा गाना विशुद्ध रूप से किसी शायर की कल्पना नहीं बल्कि देश के कई हिस्सों में अभी भी निजी तौर पर कबूतरों के माध्यम से प्रेम संदेश भेजने की यह व्यवस्था बनी हुई है, लेकिन इनका कोई रिकॉर्ड नहीं रखा जाता।

आज भी किया जाता है उपयोग: ऐसी भी बात नहीं है कि पश्चिमी देश, जहां सारी आधुनिक कम्युनिकेशन तकनीक विकसित हुई है, वहां कबूतरों की खासियत कोई जानता ही न हो। सच तो यह है कि आज भी ब्रिटेन और अमेरिका की सेना में आपदा राहत अभियानों के दौरान दर्जनों प्रशिक्षित कबूतरों का इधर से उधर संदेश भेजने और पाने में इस्तेमाल किया जाता है। चीन में तो कुछ दशकों पहले तक इनकी बकायदा एक सैन्य टुकड़ी ही हुआ करती थी, जो पीपुल्स आर्मी को मदद करती थी। फ्रांस में भी कुछ पुरानी सैन्य ईकाईयों में आज भी इनका उपयोग होता है। *

नहीं भूल सकते वो प्यारे पल

{ एक्सप्रेशंस }

किसी से प्यार होना बहुत ही खूबसूरत अहसास है। पहली मुलाकात फिर दोस्ती, इसके बाद प्यार और शादी। इस सुहाने सफर में यादगार पल भी होते हैं। नामचीन टीवी आर्टिस्ट्स बयां कर रहे हैं अपने वो खूबसूरत अहसास। साथ में यह भी बता रहे हैं कि उन्हें अपने पार्टनर से कितना प्यार है?

दोस्ती सच्चे प्यार की नींव होती है राधिका मुथुकुमार

शेमारू उमंग के शो 'मैं दिल तुम धड़कन' में वृंदा का किरदार निभा रहीं राधिका मुथुकुमार अपने जीवन में प्यार को बहुत महत्व देती हैं। जीवन साथी अभिषेक अय्यर से अपनी पहली मुलाकात, प्यार और शादी के बारे में वह मंद-मंद मुस्कुराते हुए बताती हैं, 'हमारी अभिषेक से पहली मुलाकात शादी से करीब एक साल पहले 2019 में मुंबई में हुई थी। हालांकि इससे पहले हम फोन पर और मैसेज के जरिए बात करते थे। मुलाकात के बाद धीरे-धीरे पहले दोस्ती हुई, यह दोस्ती प्यार में बदल गई। बाद में हम शादी के अटूट बंधन में बंध गए। मुझे लगता है कि वैवाहिक रिश्ते में बंधने से पहले दोस्त बनना जरूरी है, क्योंकि सच्चे प्यार की नींव दोस्ती पर ही टिकती है।' अपने पार्टनर के साथ अपनी बॉन्डिंग और साथ बिताए खूबसूरत पलों के बारे में राधिका बताती हैं, 'मेरा अपने पार्टनर के साथ बिताया प्यार भरा कोई एक पल खास नहीं है, हमारे प्यार का हर पल खास है। मैं अपने प्यार के हर पल को दिल में सहेजकर रखती हूं। अभिषेक के साथ हमारा रिश्ता इसलिए मजबूत है, क्योंकि हमारे बीच गहरी दोस्ती है। हमारी दोस्ती में एक पारदर्शिता होती है। अभिषेक मेरी बहुत परवाह करते हैं, वह मुझसे बहुत ज्यादा प्यार करते हैं, मैं भी उन्हें बेइंतहा प्यार करती हूं।' *

नताशा मेरी सबसे बड़ी ताकत है : आदित्य रेडिज

सोनी सब चैनल के शो 'तेनाली रामा' में कृष्ण देव राय का रोल प्ले कर रहे आदित्य रेडिज की अपनी वैलेंटाइन नताशा शर्मा से पहली मुलाकात उनके पहले शो के प्रोड्यूसर के साथ मीटिंग के समय हुई थी। आदित्य बताते हैं, 'मैं जब प्रोड्यूसर के केबिन में दाखिल हुआ तो नताशा बैठी थी। उसकी मौजूदगी में कुछ तो ऐसा था, जो मुझे अपनी ओर खींच रहा था। किस्मत से हम दोनों उस शो के लीड कपल के तौर पर फाइनल हुए। वक्त के साथ हमने एक-दूसरे को समझा, इसके बाद हम शादी के अटूट बंधन में बंध गए।' आदित्य आगे बताते हैं, 'जहां तक नताशा के साथ किसी यादगार लम्हे की बात है तो वो है, हमारे बेटे आर्यांश के जन्म का दिन। जब पहली बार मैंने और नताशा ने उसे एक साथ अपने हाथों में लिया। वो एहसास, वो खुशी हम दोनों के दिल में हमेशा बसी रहेगी। इस वैलेंटाइन-डे पर मैं नताशा से कहूंगा, वो सिर्फ मेरी पत्नी ही नहीं है, मेरी सबसे बड़ी ताकत और मार्गदर्शक भी है।' *

हमारा रिश्ता जादुई प्रेम कहानी जैसा है : आयुषी खुराना

जी टीवी के शो 'जाने अंजाने हम मिले' में रीत चौधरी का रोल निभा रहीं आयुषी खुराना और सूरज कक्कड़ की शादी को अभी कुछ ही महीने बीते हैं। सूरज से पहली मुलाकात और अपने रिश्ते के बारे में आयुषी बताती हैं, 'सूरज और मैं पहली बार एक एपिसोडिक शो के सेट पर मिले थे। शुरुआत में हमारे बीच हल्की-फुल्की नोक-झोंक, फ्लर्टिंग और मजाक-मस्ती होती रहती थी। लेकिन धीरे-धीरे हमारे गहरे रिश्ते बन गए और बाद में हमारी शादी हो गई। आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो यह सच में एक जादुई प्रेम कहानी लगती है।' आयुषी अपने प्यार से जुड़े कुछ यादगार पल साझा करती हैं, 'हम एक गांव में शूटिंग कर रहे थे। सूरज को शेव करनी थी, लेकिन वहां आस-पास शीशा रखने या टिकाने की कोई जगह नहीं थी। तब मैंने उनके लिए शीशा पकड़ा। सूरज ने मुझसे कहा- जिस पल तुमने मेरे लिए वह शीशा पकड़ा, उसी पल मुझे तुमसे प्यार हो गया। सच, वह पल हमारे लिए बेहद खास था।' *

मैं अपनी पत्नी से बेइंतहा मोहब्बत करता हूं : आशीष दीक्षित

सन नियो के लोकप्रिय शो 'छठी मैया की बिटिया' में कार्तिक का किरदार निभा रहे आशीष दीक्षित अपनी वैलेंटाइन श्वेता कनोजे से पहली मुलाकात को याद करते हुए बताते हैं, 'श्वेता से मेरी पहली मुलाकात बड़ौदा के राजवंत पैलेस में एक हॉरर फिल्म के सेट पर हुई थी। वहीं से हमारी दोस्ती की शुरुआत हुई। मुंबई लौटने के बाद हमने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। करीब तीन साल तक एक-दूसरे को जानने-समझने के बाद हमें अहसास हुआ कि हमारा प्यार इतना मजबूत है कि हमें शादी कर लेनी चाहिए। अपनी पार्टनर के साथ किसी यादगार रोमांटिक मोमेंट के बारे में पूछने पर आशीष बताते हैं, 'मैं एक शो शूट कर रहा था। उस दौरान मुझे करीब चार-पांच दिन की छुट्टी मिली थी। मैंने और श्वेता ने सोचा कि इस समय को खास बनाया जाए, इसलिए हम गोवा घूमने चले गए। वहां बिताया हुआ हर पल अनोखा था! समंदर किनारे टहलना, कैंडल लाइट डिनर, रोमांटिक शामें और ढेर सारी मस्ती, न कोई टेंशन थी, न कोई भागदौड़... हर लम्हा बेहद खास था। सच कहूं, तो मैं अपनी पत्नी से बेइंतहा मोहब्बत करता हूं।' *

सायक का साथ मेरे लिए अनमोल है : विदिशा श्रीवास्तव

एंड टीवी के पॉपुलर शो 'भाबी जी घर पर हैं' में अनीता मिश्रा के रोल में दिख रहीं विदिशा श्रीवास्तव की अपने हमसफर सायक पॉल के साथ पहली मुलाकात शो के सेट पर ही हुई थी। विदिशा बताती हैं, 'पहले हमारे बीच सिर्फ हल्की-फुल्की बातें होती थीं, फिर बाद में यह बातचीत लंबी चलने लगी। हम एक-दूसरे की पसंद-नापसंद समझने लगे। हमारी सोच, हमारे विचार और जीवन को देखने का नजरिया काफी हद तक मिलता-जुलता था। जब भी हम साथ होते, सब कुछ बहुत खुशनुमा लगने लगता। यहीं से हमारी दोस्ती ने प्यार का खूबसूरत सफर तय करना शुरू कर दिया।'

अपनी लव-लाइफ के खूबसूरत मोमेंट्स को याद करती हुई विदिशा कहती हैं, 'जो लम्हा मेरे दिल के सबसे करीब है, वह मेरी बेटी के जन्म का है। जब मैं मां बनी, उस समय सायक पूरे समय मेरे साथ रहते थे। उस पल उनकी आंखों में जो प्यार और अपनत्व था, वह मैं कभी नहीं भूल सकती। मेरे हर दर्द, हर खुशी में उन्होंने मेरा हाथ थामे रखा। मैं खुशनसीब हूं कि मुझे सायक जैसा हमसफर मिला। उनका साथ मेरे लिए बहुत अनमोल है।' *

प्रस्तुतिः हरिभूमि फीचर्स

{ बड़ा पर्दा / कैलाश सिंह }

लव स्टोरीज के जिक्र के बिना हिंदी फिल्मों का ब्योरा अधूरा ही रहता है। शुरुआती दौर से अब तक ऐसी बेशुमार फिल्में बनती रही हैं। लेकिन पिछले एक-डेढ़ दशक में कुछ ऐसी फिल्में बनी हैं, जिनमें प्यार को बिल्कुल नए अंदाज में पेश किया गया। ऐसी ही पांच फिल्मों पर एक नजर।

5 ट्रेडिशनल लव स्टोरीज से इतर रोमांटिक फिल्में

बॉलीवुड में प्यार और रोमांस पर आधारित जितनी फिल्में बनी हैं, उतनी किसी अन्य विषय पर नहीं बनीं। इनमें अधिकतर फिल्में प्रेम त्रिकोण पर, गरीब लड़का-अमीर लड़की या अमीर लड़का-गरीब लड़की, दो दुश्मन खानदानों के बच्चों के बीच प्रेम हो जाने जैसे विषयों के इर्द-गिर्द घूमती हैं। क्लासिकल प्रेम कथाओं जैसे, 'लैला-मजनू', 'सोनी-महिवाल', 'हीर-रांझा' आदि से इतर हाल के सालों में कुछ ऐसी फिल्में भी बनी हैं, जो दर्शकों के मन में ठहर गई हैं।

पर्दे पर दिखते हैं प्यार के नए स्वरूप: बदलते वक्त के साथ फिल्म मेकर्स ने अपनी फिल्मों में प्यार को बदलते दौर के अनुसार प्रेजेंट करने का भी प्रयास किया है। आधुनिक फिल्मकार अलग-अलग तरह से प्रेम को परिभाषित कर रहे हैं। उनका ये एक्सपेरिमेंट इतना रियलिस्टिक होता है कि कई बार दर्शक फिल्म के कैरेक्टर्स में अपना ही अक्स देखने लग जाते हैं।

दर्शकों को खूब भाया 'मनमर्जियां' का लव एंगल

एकतरफा प्यार पर बनी 'ऐ दिल है मुश्किल'

मैरिड लव का अलग एंगल दिखाती दम लगा के हईशा: साल 2015 में रिलीज फिल्म 'दम लगा के हईशा' में मैरिड रोमांस का एक अलग ही एंगल दिखाया गया है। प्रेम (आयुष्मान खुराना) एक स्कूल ड्रॉप आउट है, जिसकी एक उच्च शिक्षित लेकिन ओवरवेट लड़की संध्या (भूमि पेडनेकर) से शादी हो जाती है। प्रेम को अपनी मोटी पत्नी पर शर्म आती है और वह उस पर फब्तियां कसता रहता है। इससे दोनों एक-दूसरे के करीब नहीं आ पाते हैं, फिर भी दोनों एक दौड़ में साथ हिस्सा लेने के लिए तैयार हो जाते हैं और इसी कोशिश में वह एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं। साधारण लेकिन अर्थपूर्ण कहानी के साथ निर्देशक शरत कटारिया ने शानदार काम किया है। भूमि और आयुष्मान ने भी अपने-अपने अभिनय से प्रभावित किया है।

मनमर्जियां में दिखा प्यार का नया विजन: अनुराग कश्यप की यह फिल्म उनकी बाकी फिल्मों से कई मायने में अलग है। साल 2018 में रिलीज हुई 'मनमर्जियां' वैसे तो परंपरागत प्रेम त्रिकोण पर ही आधारित है, लेकिन इसे नए युग की प्रेम कथा के तौर पर प्रस्तुत किया गया है। फिल्म में मुख्य भूमिकाएं तापसी पन्नू, अभिषेक बच्चन और विक्की कौशल की हैं। फिल्म में प्रेम और संबंधों का एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है, जो दर्शकों के दिलों को स्पर्श कर जाता है। 'मनमर्जियां' उस उलझन और उन भावनाओं को व्यक्त करती है, जो प्रेम में पड़े एक व्यक्ति के सामने आती हैं। रूमी (तापसी पन्नू) और विक्की (विक्की कौशल) को एक-दूसरे से प्यार है, लेकिन जब शादी की बात आती है तो विक्की के हाथ-पैर फूल जाते हैं, वह जिम्मेदारी उठाने से बचता है और इस विषय को टाल जाता है। रूमी जीवन में सैटल होना चाहती है, लेकिन जब वह देखती है कि उसका प्रेम तार्किक मंजिल (शादी) पर नहीं पहुंचने वाला है, तो वह अपने प्रेम का त्याग कर देती है और रोबी (अभिषेक बच्चन) से अरेंज मैरेज करने के लिए तैयार हो जाती है। विक्की के बारे में जानने के बावजूद रोबी रूमी से प्यार करने लगता है। इसके बाद की कहानी इस बात को लेकर आगे चलती है कि ये तीनों अपने-अपने प्रेम का किस तरह से सामना करते हैं?

एकतरफा प्यार की कहानी ऐ दिल है मुश्किल: हममें से शायद ही कोई हो, जिसे अपने जीवन में कम से कम एक बार एकतरफा प्यार न हुआ हो। करण जौहर की साल 2016 में रिलीज 'ऐ दिल है मुश्किल' एक तरफा प्रेम पर ही आधारित फिल्म है। इसमें मुख्य भूमिकाएं रणबीर कपूर, अनुष्का शर्मा, ऐश्वर्या राय बच्चन और फवाद खान की हैं। अयान (रणबीर कपूर) की अलिजेह (अनुष्का शर्मा) से दोस्ती फिर उससे प्रेम हो जाता है, लेकिन अलिजेह प्यार का कोई जज्बा महसूस नहीं करती है। अयान अपने एक तरफा प्रेम का किस तरह से सामना करता है, यही कहानी का निचोड़ है। यह फिल्म हमें रुलाती है, हंसाती है और इसके पात्रों से हमें प्यार हो जाता है, क्योंकि उनमें हम अपना ही रूप देख रहे होते हैं।

प्यार-खुशी-दिल टूटने की कहानी बर्फी: अनुराग बसु के निर्देशन में बनी फिल्म 'बर्फी' (2012) की कहानी इतनी सच्ची लगती है कि इसको जितनी बार भी देख लो दिल पिघल जाता है। यह फिल्म प्यार, खुशी और दिल टूटने से भरी हुई है। बर्फी (रणबीर कपूर) मूक-बधिर व्यक्ति है, जिसे श्रुति (इलियाना डिक्रूज) से प्यार हो जाता है, लेकिन सामाजिक दबाव के कारण श्रुति को किसी अन्य व्यक्ति से शादी करनी पड़ जाती है। वर्षों बाद श्रुति को मालूम होता है कि बर्फी, झिलमिल (प्रियंका चोपड़ा) से प्यार कर रहा है, जोकि एक ऑटिस्टिक लड़की है, तब वह अपने विवाह पर पुनःविचार करती है।

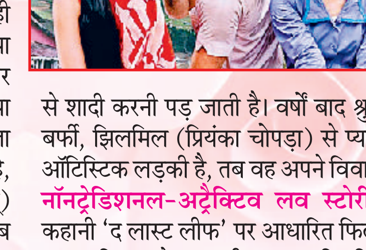

नॉनट्रेडिशनल-अट्रैक्टिव लव स्टोरी लुटेरा: ओ हेनरी की कहानी 'द लास्ट लीफ' पर आधारित फिल्म 'लुटेरा' बनी है, जोकि बहुत परिपक्व प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म है। आत्मानंद त्रिपाठी (रणवीर सिंह) एक जालसाज है और पाखी (सोनाक्षी सिन्हा) एक जमींदार की बेटी है। कहानी इन दोनों के इर्द-गिर्द ही घूमती है। पाखी के साथ धोखाधड़ी होती है। पाखी पीड़ित होने के बावजूद जालसाज के प्रति आकर्षित होने लगती है। इस खामोश प्रेम को दोनों महसूस करते हैं, लेकिन इस प्यार की कोई मंजिल नहीं है। यह गैर-परंपरागत प्रेमकथा होने के बावजूद दर्शकों पर गहरा असर छोड़ती है। *